



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप: कोमल ने जीता कांस्य... @ विचार आखिर हतियों को नियंत्रित करने में सऊदी अरब... @ व्यापार शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद...

भारत ने मालदीव के 30 अरब रुपए की करेंसी स्वेप सुविधा को आगे बढ़ाने के अनुरोध को मंजूरी दी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने मालदीव सरकार के 30 अरब रुपए की करेंसी स्वेप सुविधा को आगे बढ़ाने के अनुरोध को मंजूरी दे दी है। यह फैसला भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति और द्वीपीय देश के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता के तहत लिया गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

भारत द्वारा यह सुविधा सार्क देशों के लिए करेंसी स्वेप व्यवस्था के ढांचे के तहत दी जा रही है। इस व्यवस्था पर अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुज्जू की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण के बीच हस्ताक्षर किए गए थे। इस सुविधा के तहत 30 अरब रुपए की पहली राशि इस साल 23 अप्रैल को मालदीव सरकार को दी गई थी। करेंसी स्वेप व्यवस्था के तहत मालदीव को भारतीय रुपए उपलब्ध होते हैं, जिससे जरूरत पड़ने पर उसे नकदी की उपलब्धता और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में मदद मिलती है। भारत के लिए यह निरंतर

वित्तीय सहायता हिंद महासागर के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पड़ोसी देश के साथ व्यापक संबंधों का भी हिस्सा है।

वर्ष 2024-27 के ढांचे के तहत द्विपक्षीय करेंसी स्वेप व्यवस्था में रियायती शर्तें शामिल हैं, जिनमें अनुकूल ब्याज दरें और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। वर्ष 2012 में इस ढांचे की शुरुआत के बाद से आरबीआई मालदीव को कुल 1.1 अरब डॉलर से अधिक की स्वेप सहायता उपलब्ध करा चुका है।

भारत ने सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के माध्यम से भी मालदीव की मदद की है। भारत ने 250 मिलियन डॉलर और 100 मिलियन डॉलर के दो दीर्घकालिक ट्रेजरी बॉन्ड की खरीद की थी। इसके अलावा, भारत द्वारा खरीदे गए 150 मिलियन डॉलर मूल्य के तीन ट्रेजरी बिलों का भुगतान मालदीव ने कर दिया है। इन प्रतिभूतियों पर लगा 42.8 मिलियन डॉलर का ब्याज भारत सरकार ने चुकाया था। करेंसी स्वेप सुविधा और मालदीव के ट्रेजरी बॉन्ड एवं बिलों में भारत के निवेश ने देश की वित्तीय स्थिरता को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अभिजीत दीपके-नेहा बोरा हिरासत में, तिरंगा लहराने से रोका

सीजेपी ने कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने कॉन्ग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को शुक्रवार को एहतियाती हिरासत में ले लिया। दीपके ने कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

दीपके को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता अनीश गवांडे के आवास से निकलने के बाद हिरासत में लिया गया। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी ने उनसे कहा, 'हम आपको प्रिवेंटिव डिटेंशन (एहतियाती हिरासत) में ले रहे हैं। कर्नाट प्लेस में धारा 163 लागू है। आपको हिरासत में लिया जा रहा है।'

बता दें कि सीजेपी ने शुक्रवार को कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इससे पहले



दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर दीपके को नोटिस जारी किया था। पुलिस ने नोटिस में कहा था कि सोशल मीडिया के जरिए शाम पांच बजे कर्नाट प्लेस में जुटने की अपील की गई थी, जबकि इसके लिए कानूनी अनुमति नहीं ली गई थी।

दिल्ली पुलिस ने नोटिस में दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा था कि कर्नाट प्लेस में बिना अनुमति भीड़ जुटने से यातायात, कानून-व्यवस्था, सार्वजनिक सुरक्षा और व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।



पुलिस के मुताबिक, कर्नाट प्लेस एक प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में दुकानें, शोरूम, रेस्टोरेंट, होटल, बैंक और कार्यालय हैं। यहां प्रदर्शन होने से रोजाना करीब दो लाख यात्री सफर करते हैं। ऐसे में भीड़ बढ़ने से यातायात जाम, अव्यवस्था और

आशंका है। नोटिस में राजीव चौक मेट्रो स्टेशन का भी उल्लेख किया गया था। पुलिस ने कहा था कि यह ब्लू और येलो लाइन को जोड़ने वाला प्रमुख स्टेशन है, जहां से रोजाना करीब दो लाख यात्री सफर करते हैं। ऐसे में भीड़ बढ़ने से यातायात जाम, अव्यवस्था और

भगदड़ जैसी स्थिति पैदा होने का खतरा है।

दिल्ली पुलिस ने यह भी कहा था कि कर्नाट प्लेस में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू हैं। इन आदेशों का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 223 और अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

पुलिस ने दीपके को कर्नाट प्लेस के आसपास किसी भी तरह का प्रदर्शन, जुलूस या रैली आयोजित नहीं करने और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया था। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया था कि कर्नाट प्लेस अधिसूचित प्रदर्शन स्थल नहीं है और किसी अन्य निर्धारित स्थल पर प्रदर्शन के लिए भी पहले कानूनी अनुमति लेना जरूरी है।

‘दुश्मन को एक बार माफ करो, दोस्त को दो बार, गद्दार को कभी नहीं’: किरेन रिजिजू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 'रिजीम चेंज' की वकालत करने वालों पर निशाना साधा है। उन्होंने भारत के लोगों से अपील की है कि वे गद्दारों को कभी माफ न करें। यह बयान वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण के सरकार बदलने वाले बयान पर छिड़े सियासी विवाद के बीच आया है।

किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'प्यारे



देशभक्त भारतीयों, याद रखें, 'अपने दुश्मनों को एक बार माफ करो, दोस्तों को दो बार,

लेकिन गद्दारों को कभी नहीं'।

केंद्रीय मंत्री का यह बयान तब आया, जब उन्होंने प्रशांत भूषण की प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वरिष्ठ वकील ने खुलेआम 'रिजीम चेंज' की मांग को स्वीकार किया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भूषण ने कहा था, 'हां, हम रिजीम चेंज चाहते हैं। इससे पहले रिजिजू ने भूषण के 2011 के कश्मीर वाले बयान का वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना

गया था, 'अगर कश्मीरी लोग अलग होना चाहते हैं, तो उन्हें अलग होने दें'।

एक अन्य पोस्ट में रिजिजू ने इस सियासी लड़ाई को तीखे शब्दों में बताया और संविधान का समर्थन करने वालों और अराजकता फैलाने वालों के बीच फर्क बताया।

रिजिजू ने एक्स पोस्ट में लिखा था, लड़ाई की रेखा खिंच गई है। यह दिमागी नक्सल बनाम देशभक्त भारतीय है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में शामिल होंगे गृहमंत्री



रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर में 1 से 3 नवंबर तक भव्य राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस बार के तीन दिवसीय इस ऐतिहासिक आयोजन की खास बात यह है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने इसकी आधिकारिक जानकारी दी है। इस बार राज्योत्सव की मुख्य थीम 'नक्सल मुक्त राज्य' रखी गई है, जो प्रदेश के बदलते और सुरक्षित स्वरूप को दर्शाएगी।

स्थानीय लोककला और संस्कृति पर रहेगा विशेष जोर
संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मुताबिक, इस साल के राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं, पारंपरिक लोककलाओं और राज्य की विकास यात्रा को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा।

भारत ने जिम्बाब्वे को 4 विकेट से हराया

पहला टी20 : डेब्यूटेंट निकी के साथ दीप्ति ने जुटाए 82 रन

चंद्रमणि साव ■ रायपुर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में जिम्बाब्वे को 4 विकेट से मात दी। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष दो मैच 18 और 20 अक्टूबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं, जिसके बाद तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज आयोजित होगी।

रायपुर में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर सिर्फ 114 रन बनाए। इस टीम ने 7 के स्कोर पर बिलव्ड बिजा (0) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद कैलिस नथलोलु ने मोडेस्टर मुपाचिकवा के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन जुटाकर मेहमान टीम को संभाला। मुपाचिकवा 16 रन बनाकर आउट हुई।

इसके बाद शर्मा ने मेयर्स ने नथलोलु के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन, जबकि न्याशा ग्वानजुरा के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन



की साझेदारी करते हुए टीम को जैसे-तैसे शतक के पार पहुंचाया। जिम्बाब्वे के लिए शर्मा ने मेयर्स ने 33 गेंदों में 2 छक्कों और 4 चौकों के साथ 43 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि कैलिस नथलोलु ने 44 गेंदों में 6 छक्कों के साथ 42 रन बनाए। भारत की तरफ से नंदनी शर्मा ने 4 ओवरों में सिर्फ 11 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि श्री चरणी ने 4 ओवरों में 14 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। इनके अलावा, क्रांति गौड़ और अरुंधति रेड्डी को 1-1 सफलता हाथ लगी।

इसके जवाब में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। 'विमेन इन ब्लू' ने 1.1 ओवरों में 14 के स्कोर पर नव नियुक्त कप्तान स्मृति मंधाना (9) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद अनुष्का शर्मा तीसरे नंबर

पर बल्लेबाजी के लिए उतरीं, लेकिन 1.4 ओवर में उनका विकेट भी गिर गया। अनुष्का 3 गेंदों का सामना करते हुए सिर्फ एक चौका लगा सकीं। तीसरे ओवर की दूसरी गेंद पर भारत को हरमनप्रीत कौर (1) के रूप में तीसरा झटका लगा। उस समय तक स्कोर सिर्फ 19 रन था। इसी स्कोर पर शेफाली वर्मा (4) भी पवेलियन लौट गईं।

भारत ने 3.1 ओवरों में सिर्फ 19 के स्कोर पर अपना चौथा विकेट गंवा दिया था। यहां से मैच जिम्बाब्वे की पकड़ में था, लेकिन डेब्यूटेंट निकी प्रसाद ने दीप्ति शर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 63 गेंदों में 82 रन जुटाकर मेजबान टीम को जीत की दहलीज में पहुंचा दिया। दीप्ति सिर्फ 1 रन से अपना अर्धशतक चूकीं।

रविता और अमरदीप को फांसी की सजा

एजेंसी ■ मेरठ

उत्तर प्रदेश के मेरठ में प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली रविता और अमरदीप को कोर्ट ने शुक्रवार को फांसी की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मेरठ, जयवीर सिंह नागर ने रविता और अमरदीप को सजा सुनाने के बाद कलम फेंक दी। जेल में बंद रविता और अमरदीप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए जुड़े थे, जहां जज ने उनका पक्ष सुना।

सुनवाई के दौरान रविता ने कहा, 'मेरे 3 छोटे-छोटे बच्चे हैं। उनका ख्याल रखा जाए।' वहीं, अमरदीप ने कहा कि मेरे मां-बाप बूढ़े हैं। उनकी सेवा करने वाला कोई नहीं है। उनकी देखभाल में कोई कमी न रहे। इसके बाद दोनों चुप हो गए और फूट-फूटकर रोने लगे। यह पूरा मामला करीब डेढ़ वर्ष पहले 17 अप्रैल 2025 की रात का है, जब रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित कश्यप की गला घोटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद, उन दोनों ने बिस्तर पर एक सांप रख दिया ताकि ऐसा लगे कि मौत सांप के काटने से हुई है। हालांकि,



पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि हत्या गला घोटकर की गई थी। वहीं, हत्या के 60 दिन बाद पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की और अमरदीप को दोषी करार दिया। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मेरठ के ही चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड में बुधवार को अदालत ने दोषी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल को भी फांसी की सजा सुनाई। जिला जज अरविंद कुमार ने दोनों को सौंभ राजपूत (मुस्कान के पति) की हत्या के मामले में मृत्युदंड दिया।

अदालत की कार्यवाही के दौरान दोनों दोषी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। सजा सुनाए जाने के समय मुस्कान और साहिल चुप रहे। इस चर्चित

हत्याकांड में करीब डेढ़ वर्ष बाद अदालत ने सजा का ऐलान किया है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 22 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। इनमें उन लोगों की गवाही भी शामिल थी, जिनसे कथित तौर पर हत्या में इस्तेमाल चाकू और शव को छिपाने के लिए इस्तेमाल किया गया नीला ड्रम खरीदे गए थे। मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों और गवाहियों के आधार पर अदालत ने दोनों को दोषी करार दिया।

मुस्कान रस्तोगी ने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौंभ राजपूत की हत्या की थी। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर उन्हें एक नीले ड्रम में भर दिया गया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे देश में सनसनी फैल गई थी।

खबर झरोखा

अमेरिकी सीनेटर्स ने सऊदी परमाणु समझौते को रोकने के लिए पेश किया प्रस्ताव



वाशिंगटन। अमेरिका के दो डेमोक्रेट सीनेटर्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सऊदी अरब के साथ असैन्य परमाणु सहयोग समझौते को रोकने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है।

सीनेटर्स ने चेतावनी दी कि इस डील में मध्य पूर्व में परमाणु हथियारों की होड़ को रोकने के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय नहीं हैं।

ओरगन के सीनेटर जेफ मर्कले और मैसाचुसेट्स के सीनेटर एडवर्ड मार्के ने असहमति का संयुक्त प्रस्ताव पेश किया, जिससे 29 नवंबर के बाद सीनेट में वोटिंग का रास्ता खुलेगा, इससे पहले कि प्रस्तावित समझौता लागू हो। यह कदम रियाद के साथ प्रशासन की परमाणु कुटनीति के लिए एक नई चुनौती है। संघीय कानून के तहत, कांग्रेस को असैन्य परमाणु की समीक्षा के लिए 90 दिन का समय है। जब तक कांग्रेस इसे रोकने का प्रस्ताव नहीं अपनाती, तब तक समझौता असैन्य परमाणु समझौता लागू हो सकता है।

सीनेट विरोध संबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य मर्कले ने कहा कि सऊदी अरब को असैन्य परमाणु तकनीक हस्तांतरित करने से पहले अमेरिका को मजबूत सुरक्षा उपायों पर जोर देना चाहिए।

तीर तेवर

सागर कुमार



न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की वनडे और टेस्ट टीम घोषित, 50 ओवरों के फॉर्मेट में 2 अलग कप्तान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए पुरुष क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल को कप्तान सौंपी गई है, जबकि आखिरी दो मैचों में श्रेयस अय्यर कप्तान संभालेंगे।

शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे और श्रेयस अय्यर उनके डिप्टी (उप-कप्तान) होंगे। वहीं, आखिरी दो मैचों में बदलाव करते हुए श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया जाएगा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को चौथे और पांचवें वनडे के लिए



उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ इनके साथ ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी, बल्लेबाज रोहित शर्मा और विटल कोहली अक्षर पटेल और नमन धीर भी टीम में पूरी वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। शामिल हैं। वहीं, नियमित विकेटकीपर-

बल्लेबाज केएल राहुल, तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ शुरुआती तीन वनडे मैचों में ही खेलेंगे। इसके बाद वे टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रवाना होंगे। अंतिम दो वनडे मुकाबलों के लिए चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा और तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल किया है। इसके अलावा, झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र और तेज गेंदबाज यश ठाकुर को पहली बार वनडे टीम में मौका मिला है। वनडे टीम में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अशदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, बाएं हाथ के रिस्ट-स्पीनर कुलदीप यादव, तेज गेंदबाज गुरपूर बरार और दाएं हाथ के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ शामिल हैं।

60 की उम्र के बाद भी जांघों की मसल्स रखनी हैं मजबूत ? रोज कुर्सी पर बैठकर करें ये आसान एक्सरसाइज

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। बढ़ती उम्र के साथ शरीर की मांसपेशियां धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं, खासकर जांघों की मसल्स। 60 के बाद चलना-फिरना, सीढ़ियां चढ़ना या संतुलन बनाए रखना चुनौती बन सकता है।
अच्छी बात यह है कि नियमित हल्की एक्सरसाइज से आप अपनी जांघों को लंबे समय तक मजबूत और एक्टिव रख सकते हैं। सबसे आसान तरीका है चेयर पर बैठकर किए जाने वाले एक्सरसाइज, जो सुरक्षित भी हैं और असरदार भी।
चेयर लेग एक्सटेंशन-कुर्सी पर सीधे बैठ जाएं, पीठ सीधी रखें। एक पैर को धीरे-धीरे सामने की ओर सीधा उठाएं और कुछ सेकंड रोकें, फिर नीचे लाएं। इससे जांघों की मसल्स मजबूत होती हैं और घुटनों को भी सहारा मिलता है।
सीटेड मार्चिंग – कुर्सी पर



बैठकर एक-एक करके घुटनों को ऊपर उठाएं, जैसे आप जगह पर मार्च कर रहे हों। यह एक्सरसाइज जांघों के साथ-साथ हिप्स को भी एक्टिव करती है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाती है।

इनर थार्ई स्क्वीज- दोनों घुटनों के बीच एक तकिया या छोटी बॉल रखें और उसे दबाएं। 5-10 सेकंड तक दबाकर रखें, फिर छोड़ दें। यह एक्सरसाइज जांघों के अंदरूनी हिस्से को टोन करने में मदद करती है।
सीटेड लेग लिफ्ट- कुर्सी के किनारे बैठकर दोनों पैरों को एक साथ थोड़ी देर के लिए ऊपर उठाएं। यह कोर और जांघों दोनों के लिए फायदेमंद है। शुरुआत में कुछ सेकंड पर्याप्त हैं।
अगर किसी तरह का दर्द या परेशानी हो, तो तुरंत रुक जाएं और डॉक्टर से सलाह लें।

गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में जैन आचार्यों से की मुलाकात, अहिंसा-संयम का दिया संदेश

विश्व केसरी■
अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद में दो जैन धर्मगुरुओं से मुलाकात की और जैन परंपरा के अहिंसा, आत्मसंयम और अनासक्ति के उपदेशों पर प्रकाश डाला। अमित शाह ने कहा कि इन उपदेशों ने सदियों से भारतीय समाज का मार्गदर्शन किया है।
गृह मंत्री ने सबसे पहले शहर के सैटेलाइट क्षेत्र में स्थित प्रेरणा तीर्थ देरासर का दौरा किया, जहां उन्होंने गच्छाधिपति परमपूज्य आचार्य श्री नररत्न सूरिश्वर जी महाराज को नमन किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।
इसके बाद उन्होंने पाल्दी क्षेत्र में स्थित श्री विश्वनान्दिकर जैन संघ का दौरा किया, जहां उन्होंने गच्छधिपति उदय रत्न सूरिश्वरजी महाराज से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में शाह



ने कहा कि उन्होंने अहमदाबाद में आचार्य नर रत्न सूरिश्वरजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया है। जैन धर्म के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने लिखा कि जैन परंपरा में अहिंसा, आत्मसंयम और अपरिग्रह की शिक्षाओं ने सदियों से भारतीय समाज का मार्गदर्शन किया है। पूज्य महाराज की संगति जीवन के प्रति इस दृष्टिकोण का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करती है।
अमित शाह ने गुजराती में भी संदेश साझा किया और दोहराया कि अहिंसा, संयम और अपरिग्रह के सिद्धांतों ने पीढ़ियों से भारतीय समाज को आकार दिया है। उन्होंने पूज्य आचार्य की उपस्थिति को इन सिद्धांतों का प्रत्यक्ष अनुभव करने का अवसर बताया।
गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र से प्रतिनिधि अमित शाह ने दो जैन धार्मिक स्थलों का दौरा किया और संबंधित आचार्यों से आशीर्वाद प्राप्त किया। अधिकारियों के अनुसार, इन दौरों के दौरान शाह ने जैन धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों और जैन संतों की परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले में घायल दो भारतीय अब भी आईसीयू में भर्ती

विश्व केसरी■
रियाद। सऊदी अरब में 10 अक्टूबर को रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमले में घायल हुए कई भारतीय नागरिकों में से दो अब भी आईसीयू में भर्ती हैं। सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दूतावास ने बताया कि एक अन्य भारतीय नागरिक हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू) में भर्ती है, जबकि तीन अन्य सामान्य वार्ड में उपचारार्थ हैं।
दूतावास द्वारा जारी एक नई एडवाइजरी में यह जानकारी दी गई है कि रियाद का इंटरनेशन एयरपोर्ट उड़ानों के लिए बंद है, जबकि दम्माम, जेद्दा और मदीना के एयरपोर्ट चालू हैं, हालांकि वहां भी कुछ रुकावटें आ रही हैं।
एडवाइजरी में कहा गया है, 'मौजूदा हालात को देखते हुए



भारतीय नागरिकों को स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करना चाहिए। हवाई हमले की स्थिति में घर के अंदर ही रहें। साथ ही चल रही घटनाओं से जुड़ी किसी भी जानकारी, फोटो या वीडियो को रिकॉर्ड करने, प्रकाशित करने या शेयर करने से बचें।'
दूतावास के अनुसार, भारतीय एयरलाइंस ने सऊदी अरब आने-जाने वाली उड़ानों के निलंबन को आगे बढ़ा दिया है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सभी रूटों पर 20 अक्टूबर तक और इंडिगो ने 24 अक्टूबर तक अपनी उड़ानें निलंबित कर दी हैं। आकासा एयर ने रियाद के लिए 24 अक्टूबर तक और जेद्दा के लिए 21 अक्टूबर तक अपनी उड़ानें रोक दी हैं। सऊदी एयरलाइंस (सउदिया) दम्माम, जेद्दा और मदीना से भारत के लिए अपनी निर्धारित उड़ानें जारी रखे हुए है।

यूपी: प्रदेश के 70 हजार शिक्षकों की पदोन्नति का रास्ता साफ, सात नवंबर तक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

विश्व केसरी■
लखनऊ। उत्तर प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की करीब दस साल बाद पदोन्नति प्रक्रिया शुरू हुई है। बेसिक शिक्षा परिषद ने सात नवंबर तक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इससे लगभग 70 हजार शिक्षकों को लाभ मिलने की संभावना है। पदोन्नति के लिए अनुभव, वरिष्ठता सूची और शिक्षक पात्रता परीक्षा की शर्तें निर्धारित की गई हैं।
प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की लगभग दस साल पदोन्नति करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बेसिक शिक्षा परिषद ने इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए शिक्षकों की अंतिम वरिष्ठता सूची जारी करते हुए रिक्तियों के सापेक्ष सात नवंबर तक पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इसका लाभ प्रदेश के लगभग 70 हजार शिक्षकों को मिलने की संभावना है।



बेसिक में लंबे समय से पदोन्नति की प्रक्रिया लंबित है। काफी समय से टीईटी को लेकर भी मामला न्यायालय में चला है। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा परिषद ने सभी बीएसए को शिक्षकों की अंतिम वरिष्ठता सूची तैयार करने के लिए विस्तृत निर्देश व प्रक्रिया जारी

जिला आवंटन के फलस्वरूप कार्यभार ग्रहण करने वाले अभ्यर्थियों की वरिष्ठता का निर्धारण उनकी पहली नियुक्ति तिथि से करने के निर्देश हैं। जूनियर बेसिक स्कूल के प्रधानाध्यापक व सीनियर बेसिक स्कूल के सहायक अध्यापक के लिए जूनियर स्कूल की स्थायी सहायक अध्यापक के लिए न्यूनतम पांच साल का अनुभव होना चाहिए। इसी तरह सीनियर बेसिक स्कूल के प्रधानाध्यापक के लिए जूनियर बेसिक स्कूल के सहायक अध्यापक पद पर न्यूनतम तीन साल का अनुभव चाहिए। वरिष्ठता सूची व पदोन्नति के लिए जिला स्तर पर डायट प्राचार्य की अध्यक्षता वाली समिति होगी। इसमें बीएसए, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के वरिष्ठ प्रधानाचार्य, डीएम द्वारा नामित भाषा विशेषज्ञ शामिल होंगे। समिति वरिष्ठता सूची तैयार करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करेगी।

क्यों मनाया जाता है अंतरराष्ट्रीय निर्धनता उन्मूलन दिवस ? जानें इतिहास और उद्देश्य

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय निर्धनता उन्मूलन दिवस (गरीबी उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस) हर साल 17 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद दुनिया भर में खासकर विकासशील देशों से गरीबी को समाप्त करना और गरीबों के अधिकारों व संचर्षों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।
गरीबी उन्मूलन के लिए 'अंतरराष्ट्रीय दिवस' मनाने की शुरुआत 1987 को हुई थी। इस दिन पेरिस के ट्रोकाडोरो में एक लाख से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी, हिंसा और भुखमरी के शिकार लोगों को सम्मान देने के लिए इकट्ठा हुए थे और वर्ष 1948 में की गई



मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के तहत अत्यधिक गरीबी, हिंसा और भूख से परेशान लोगों के लिए एक साथ आवाज उठाई थी।
इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय आंदोलन एटीडी फोर्थ वर्ल्ड के संस्थापक जोसेफ ब्रेसिंस्की द्वारा एक स्मारक पत्थर का अनावरण किया गया था। ब्रेसिंस्की की मृत्यु के चार साल बाद 22 दिसंबर 1992 को अपनाए गए प्रस्ताव 47/196 के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 अक्टूबर को 'गरीबी उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' के रूप में घोषित किया। तब से हर साल 17 अक्टूबर को अलग-अलग पृष्ठभूमि, मान्यताओं और सामाजिक परिवेश के लोग एक साथ आते हैं, ताकि वे अपनी प्रतिबद्धता को दोहरा सकें और

गरीबों के प्रति एकजुटता दिखा सकें।
गरीबी उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस निर्धन लोगों के प्रयासों और संचर्षों को स्वीकार करने का एक अवसर है, उन्हें अपनी चिंताओं को व्यक्त करने का मौका देता है और यह पहचानने का क्षण है कि गरीबी के खिलाफ लड़ाई में गरीब लोग सबसे आगे हैं।
गरीबी उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस को उसके मूल सिद्धांतों के अनुरूप बढ़ावा देने के लिए 2008 में 17 अक्टूबर के लिए अंतरराष्ट्रीय समिति की स्थापना की गई थी। समिति में अत्यधिक गरीबी का प्रत्यक्ष अनुभव रखने वाले लोग और गरीबी के खिलाफ लड़ाई में लगे मानवाधिकार रक्षक शामिल हैं।

बीएसएफ ने दो बांग्लादेशी पुलिसकर्मियों को बीजीबी को सौंपा, गलती से सीमा पार कर गए थे

विश्व केसरी■
अगरतला। त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले के आशाबाड़ी सीमा क्षेत्र के पास गुरुवार रात भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले बांग्लादेश पुलिस के दो कर्मियों को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के बीच हुई पलैंग मीटिंग के बाद शुक्रवार को बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।
अधिकारियों ने बताया कि दोनों पुलिसकर्मियों की पहचान सहायक उप-निरीक्षक (एसएसआई) इमरान हुसैन और कांस्टेबल रोहित दीवान के रूप में की गई, जो बांग्लादेश के कोमिला जिले के एक पुलिस स्टेशन में तैनात हैं। अधिकारियों के अनुसार, दोनों



कर्म अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास मादक द्रव्य विरोधी अभियान चला रहे थे, तभी कांस्टेबल दीवान ने एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्क़र का पीछा किया और अनजाने में भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गया। स्थानीय निवासियों ने उसे हिरासत में लिया और बाद में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दिया। एसएसआई हुसैन को भी उस समय

के बीच संचार के बाद उन्हें सौंपने के लिए शुक्रवार को एक पलैंग मीटिंग आयोजित की गई।
यह बैठक अंतरराष्ट्रीय सीमा की शून्य रेखा के पास आयोजित की गई थी, जिसमें दोनों पक्षों के बीएसएफ कर्मियों और बीजीबी, पुलिस और खुफिया एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया था।
अधिकारियों ने बताया कि विचार-विमर्श के बाद दोनों बांग्लादेश पुलिसकर्मियों को बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंप दिया गया। हालांकि, घटना की परिस्थितियों को समझाने या हैंडओवर के सभी विवरणों की पुष्टि करने वाला कोई विस्तृत आधिकारिक बयान तुरंत उपलब्ध नहीं था।

भारत ने ग्रीस और रूस से की अहम वार्ता, रक्षा संबंधों को विस्तार देने पर फोकस

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत ने ग्रीस और रूस के साथ रक्षा संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने ग्रीस के शीर्ष सैन्य अधिकारी के साथ सैन्य सहयोग और रक्षा उद्योग में साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की।
वहीं, भारत दौरे पर आए रूस के मॉस्को सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल इगोर अनातोलेविच सेरित्स्की ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने थल सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन के साथ द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को विस्तार देने पर विचार-विमर्श भी किया।
रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने ग्रीस के राष्ट्रीय रक्षा जनरल स्टफ के प्रमुख जनरल दिमित्रियोस से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने सैन्य संबंधों को मजबूत करने और



साझा रणनीतिक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भारत और ग्रीस के बीच रणनीतिक हितों में बढ़ती समानता पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने माना कि रक्षा सहयोग को नई दिशा देने के लिए नियमित संवाद और सैन्य संपर्क आवश्यक हैं। इसके लिए दोनों देशों के रक्षा बलों के बीच उद्देश्य भारत और ग्रीस के बीच रक्षा सहयोग तकनीकी स्तर पर बातचीत और आदान-प्रदान बढ़ाने पर जोर दिया गया। चर्चा में रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग को भी प्रमुखता दी गई।
दोनों देशों ने साझा हितों वाले क्षेत्रों में रक्षा औद्योगिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की आवश्यकता रेखांकित की। इस पहल का नए अवसर तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना है।
भारत और रूस के सैन्य संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों के बीच रूसी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल इगोर अनातोलेविच सेरित्स्की भारत के दौरे पर हैं। अपने दौरे में उन्होंने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद रूसी सैन्य अधिकारी ने नई दिल्ली के मानेकशां केंद्र में थल सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन से मुलाकात की।
दोनों सैन्य अधिकारियों के बीच व्यापक मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय सैन्य संपर्क बढ़ाने तथा आपसी हितों के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग का नए अवसर तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बिहार के आजीविका मॉडल पर राष्ट्रीय मंथन, गरीबी उन्मूलन की रणनीति को मिलेगी नई दिशा

विश्व केसरी■
पटना। बिहार में अत्यंत गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित सतत जीविकोपार्जन योजना के अनुभवों और प्रभावों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण विकास की नीतियों के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है।
शुक्रवार को जे-पाल साउथ एशिया और जीविका के संयुक्त प्रयासों से आयोजित कार्यक्रम में योजना के क्रियान्वयन, मूल्यांकन, पिछले एक दशक की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव रोहित कंसल, बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय विकास विभाग के सचिव अरविंद कुमार चौधरी,



ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव एचआर श्रीनिवास, योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी समेत केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।
जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा सहित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और विकास क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत जे-पाल साउथ एशिया की कार्यकारी योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. संबोधन से हुई।
उन्होंने योजना के मूल्यांकन, उससे प्राप्त साक्ष्यों और अनुभवों को नीतिगत निर्णयों में इस्तेमाल करने के महत्व पर प्रकाश डाला। जीविका की अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी अनन्या सिंह ने योजना के मॉडल, कार्यप्रणाली और उपलब्धियों की जानकारी दी।

संपादकीय

निजाम बदलने की मांग से पीछे हटते कोकरोच

राजेश अचल

कोकरोच जनता पार्टी अचानक निजाम परिवर्तन की मांग से पीछे हटते दिखाई दे रहे हैं,जबकि उनके साथ मंच साझा करने वाले सिविल सोसायटी के प्रशांत भूषण खुलकर कह रहे हैं कि वे निजाम बदलना चाहते हैं और इसी के लिए लड़ रहे हैं.

सीजेपी के सुप्रीमो अभिजीत दीपके शुक्रवार को ‘लहरा दो तिरंगा’ अभियान के ठीक के पहले आधी रात को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ किया है कि काँकरोच जनता पार्टी सत्ता परिवर्तन नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाकर नए सीईसी को नियुक्त करना चाहती है।

उन्होंने कहा, ‘हम बस जवाबदेही मांग रहे हैं कि जो ज्ञानेश कुमार ने चुनावों में हेराफेरी की है। जो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बिना फॉर्म 6 में बदलाव किए। जो बाकी दो आयुक्तों ने कहा कि वो फैसलों के साथ नहीं थे। बस उसके ऊपर हम चाहते हैं कि ज्ञानेश कुमार को हटाकर किसी और को बना दो। हम यह तो नहीं कह रहे कि सत्ता पलटनी है, हम ये तो नहीं कह रहे कि कुछ और करना है।’

सीजेपी के अचानक बदले सुर देखकर लगता है कि या तो सीजेपी सरकार के दबाव में आ गई है या फिर उसे इस मुद्दे पर कांग्रेस गठबंधन आगे निकलता दिख रहा है.सीजेपी नेताओं को पांच दिन की जेल भी शायद इस रुखबदली की एक वजह हो सकती है.



अभिजीत को ये सफाई देने की जरूरत क्यों पड़ी कि हम महात्मा गांधी और डॉक्टर बाबासाहब आंबेडकर के समर्थक हैं. हम इस देश के नागरिक के तौर पर चुपचाप से जाकर तिरंगा लहराएंगे, जो हमारा अधिकार है.उतना तो हम कर सकते हैं. तिरंगा लहराने से हमें कैसे रोक सकते हो.और महात्मा गांधी के फॉलोअर्स हैं, तो हम शांति में भरोसा रखते हैं, अहिंसा में भरोसा रखते हैं.हम हमारी तरफ से कोई भी हिंसा या असंवैधानिक काम नहीं कर करते.

गौर करने वाली बात ये है कि सिविल सोसायटी के प्रशांत भूषण सीजेपी के विपरीत खुलकर निजाम बदलने की मांग दोहरा रहे हैं.भाजपा ने उनके ऊपर तख्ता पलट की योजना का आरोप लगाया था.मुझे लगता है कि सीजेपी निजाम परिवर्तन की मांग से पल्ला झाड़कर जनता का समर्थन गंवा सकती है,क्योंकि सब सत्ता परिवर्तन चाहते हैं.

गौरतलब है कि कांग्रेस ने तो बाकायदा ज्ञानेश कुमार के स्तीफे की मांग के साथ ही निजाम बदलने को ही अपना एजेंडा बना रखा है.कांग्रेस और उसके सहयोगी इसीलिए साथ साथ संसद से सडक तक लड़ रहे हैं.वैसे भी 10 अक्टूबर को सीजेपी का आंदोलन सरकार ने कुचल दिया था लेकिन सरकार राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने से नहीं रोक सकी थी क्योंकि राहुल के साथ अप्रत्याशित रूप से लाखों लोग थे.

अब देखना यह है कि निजाम परिवर्तन के मुद्दे पर कौन कौन एकजुट होकर रहेगा और कौन बाग जाएगा? यानि अब असल और नकल की बन चुकी है।

आखिर हतियों को नियंत्रित करने में सऊदी अरब, अमेरिका और ‘इस्लामिक नाटो’ क्यों विफल प्रतीत हो रहे हैं?

कमलेश पांडे

खाड़ी देशों में ईरान पर जोरदार हमला करके अमेरिका-इजरायल ने जो आग भड़काई, उसकी भारी कीमत आज उसके समर्थक चुका रहे हैं। जब ईरान ने अपनी सधी हुई रणनीति से और रूस व चीन के बल पर अमेरिका-इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, तो उन्होंने अपनी सैन्य कार्रवाई रोक ली। इधर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने जब सऊदी के निशाने पर लिया और ताबड़तोड़ हमले शुरू किए, तो उनके विरुद्ध अमेरिका, सऊदी अरब और इस्लामिक नाटो की सैन्य क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। आधुनिक हथियारों, उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बावजूद हूती विद्रोही सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चुनौती बने हुए हैं।

जिस तरह से अक्टूबर 2026 में रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले हुए और लाल सागर के समुद्री मार्गों को लेकर तनाव बढ़ा, उसने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। आइए हम आपको इसके पीछे के दस अहम सवाल समझाएंगे, जो आगे दिए हुए हैं। इससे पहले एक मीडिया की 12-13 अक्टूबर की रिपोर्टों में सऊदी हवाई सुरक्षा की कमजोरियों और हतियों की बढ़ती क्षमताओं का उल्लेख किया गया है, उसकी चर्चा करते हैं। यही वजह है कि इस संकट को समझने के लिए तीन सवाल महत्वपूर्ण हैं:-

एक, अमेरिका जैसी महाशक्ति हतियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रही है? शायद इसलिए कि उनके ऊपर ईरान और

ईरान के ऊपर रूस व चीन का हाथ है। सभी मिलकर खाड़ी देशों से अमेरिकी पांव उखाड़ना चाहते हैं। इसलिए अमेरिका बेबस है।

दो, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बने नए रक्षा समझौते की वास्तविक उपयोगिता क्या है? दरअसल, यह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा टकराने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका की पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिल्लों को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सी शिया संगठनों की रणनीति यही है।

देसीउत्पाद खोजें

तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणगत हो जाए। साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। यदि वह सुन्नी मुल्कों पाकिस्तान व तुर्कियों के भ्रमजाल में फंसेगा तो बर्बादी भी होगी और सत्ता पलट भी होगा।

अब आइए दस मौलिक सवालों से इस वैश्विक समस्या के समाधान को ढूंढने की कोशिश करते हैं, जहां पर हर पक्ष के संतुलन को दर्शाने की कोशिश की गई है।

पहला सवाल यह है कि हतियों को नियंत्रित करना इतना कठिन क्यों है? तो जवाब होगा कि सैन्य शक्ति और युद्ध के परिणाम में अंतर होता है। अमेरिका और सऊदी अरब के पास आधुनिक सैन्य संसाधन हैं, लेकिन किसी सशस्त्र संगठन को पराजित करना केवल हथियारों की श्रेष्ठता का प्रश्न नहीं है, बल्कि सैनिकों में मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अबतक दिखा नहीं। हूती आंदोलन ने यमन के गृहयुद्ध के दूसरा सवाल है कि काम लागत वाले हमले और महँगी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी सऊदी अरब पर हूती क्यों भारी पड़ रहा है? शायद इसलिए कि हूती संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक है। ड्रोन और अन्य अपेक्षाकृत सस्ते साधनों से खतरा उत्पन्न किया जा सकता है। इसका जो रोकने के लिए अत्याधुनिक निगरानी और वायु रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है। लगातार हमलों की आशंका के



दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोन जैसी क्षमताएँ हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हतियों की चुनौती के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, ईरान से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद जैसे कारक हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता अपने आप यह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा।

कारण नागरिक विमानन, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और व्यापारिक गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब की रक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है, बल्कि हालिया घटनाएँ यह सवाल उठाती हैं कि क्या उसकी मौजूदा व्यवस्था सभी प्रकार के हमलों से पर्याप्त सुरक्षा दे पा रही है। मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अधिकारी रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में आई कमियों की जाँच कर रहे हैं। तीसरा सवाल यह है कि यमन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उन्माद और वैश्विक बाजार की चिंता



महेन्द्र तिवारी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इक्कीसवीं सदी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार और प्रशासन तक इसका विस्तार नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। बड़ी कंपनियाँ इस तकनीक को विकसित करने और अपने कारोबार में शामिल करने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही हैं। लेकिन जब किसी नई तकनीक के प्रति उम्मीदें बहुत तेजी से बढ़ती हैं, तब उसके साथ जुड़े आर्थिक जोखिम भी बढ़ने लगते हैं। 15 अक्टूबर 2026 को वैश्विक शेयर बाजारों में दिखाई दी उथल-पुथल ने इसी प्रश्न को सामने ला दिया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता

में किया जा रहा विशाल निवेश भविष्य में अपेक्षित लाभ दे पाएगा। रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोस्पी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान गिरावट इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए व्यापार रोकना पड़ा। सैमसंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और इसके हाइनिक्स जैसी प्रमुख अर्धचालक कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। जापान का शेयर बाजार भी इस वैश्विक दबाव से अछूता नहीं रहा। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी के साथ-साथ उनकी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं।

इस गिरावट के पीछे केवल शेयरों की कीमतों में पहले आई तेजी नहीं थी। इसके साथ अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक बने

रहने और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता का भी संबंध था। जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं, तब कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। भविष्य में मिलने वाले लाभ का वर्तमान मूल्य भी कम हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनेक कंपनियाँ ऐसे उपकरणों और प्रतिष्ठानों पर भारी धनराशि खर्च कर रही हैं, जिनसे वास्तविक आय प्राप्त होने में कई वर्ष लग सकते हैं। इसलिए महर्गे कर्ज और अनिश्चित लाभ का मेल निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आधुनिक ढांचा तैयार करना साधारण काम नहीं है। इसे करने लिए अत्यंत शक्तिशाली संगणक, उन्नत अर्धचालक चिपें, विशाल आंकड़ा केंद्र, निरंतर बिजली आपूर्ति और प्रभावी शीतलन प्रणालियाँ चाहिए। इन सबके निर्माण और संचालन में भारी पूंजी लगती है। कंपनियाँ इस उम्मीद में निवेश कर रही हैं कि आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग तेजी से बढ़ेगी और उनके द्वारा तैयार की गई संगणना क्षमता का पर्याप्त उपयोग होगा। लेकिन

यदि मांग अनुमान से कम रही या ग्राहकों ने अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की, तो कंपनियों के लिए अपने निवेश से पर्याप्त लाभ कमाना कठिन हो सकता है।

अमेरिकी कंपनी कोरवीव का उदाहरण इस चिंता को समझने में मदद करता है। यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाएं उपलब्ध कराती है। रॉयटर्स की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी पर लगभग 50 अरब डॉलर का कर्ज है। उसके साथ शेयरों में लगातार गिरावट आई और उसके कुछ बांडों पर मिलने वाला प्रतिफल भी बहुत बंद गया। इससे निवेशकों ने कंपनी की वित्तीय क्षमता और कर्ज चुकाने की योग्यता पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, कंपनी के मुख्य कारकारी अधिकारी ने कर्मचारियों का भरोसा दिलाया कि उसके पास थियस में आय देने वाले अनुबंधों का बड़ा भंडार है।

यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य के अनुबंधों का बड़ा मूल्य होना और समय पर पर्याप्त नकदी प्राप्त होना अलग-अलग बातें हैं।

का भूगोल और राजनीतिक परिस्थितियाँ हतियों की मदद कर रही हैं। यमन की भौगोलिक परिस्थितियाँ और लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता इस समस्या को जटिल बनाती हैं।

हूती आंदोलन को केवल बाहरी सैन्य शक्ति से नियंत्रित करने की कोशिश में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यमन में एक ओर हतियों का प्रभाव है, तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और दूसरे स्थानीय राजनीतिक तथा सैन्य समूह हैं। इन सभी के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते। इसलिए हतियों के विरुद्ध कार्रवाई और यमन में स्थायी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करना दो अलग-अलग चुनौतियाँ हैं।

चौथा सवाल है कि आखिर इसके पीछे ईरान की भूमिका क्या है? तो जवाब होगा कि हूती आंदोलन को ईरान से समर्थन और तकनीकी सहायता मिलने की बात लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणों में सामने आती रही है। लेकिन हतियों को केवल ईरान का निर्देश मानकर चलना भी अधूरा विश्लेषण होगा। एक अध्ययन के अनुसार, ईरान और हतियों के हित कई मामलों में एक-दूसरे से मेल खाते हैं, लेकिन हतियों के अपने स्थानीय राजनीतिक उद्देश्य भी हैं। इसका कूटनीतिक अर्थ यह है कि ईरान के साथ बातचीत उपयोगी हो सकती है, लेकिन उससे हतियों के सभी निर्णय स्वतः नियंत्रित हो जाएँगे, इसकी गारंटी नहीं है।

पांचवां सवाल यह है कि आखिर अमेरिका हतियों को

निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रहा? तो जवाब होगा कि अमेरिका की स्थिति में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास है: वह सऊदी अरब की सुरक्षा में सहयोग करना चाहता है, लेकिन यमन में एक और व्यापक युद्ध में उलझने से भी बचना चाहता है। इसके पीछे कुछ कारण हैं:-

एक, सैन्य कार्रवाई की सीमाएँ: हूती ठिकानों पर हवाई हमले उनकी क्षमताओं को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन हवाई कार्रवाई अपने आप किसी संगठन का राजनीतिक नियंत्रण समाप्त नहीं करती। अतीत के अनुभवों से भी स्पष्ट है कि लंबे सैन्य अभियान के बावजूद हूती आंदोलन को समाप्त नहीं किया जा सका। इसलिए अमेरिका के सामने केवल हमले करने का प्रश्न नहीं, बल्कि यह भी है कि सैन्य कार्रवाई के बाद स्थायी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए?

दो, अमेरिका की प्राथमिकताएँ: एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने हतियों के विरुद्ध प्रस्तावित अभियान में अमेरिकी हवाई हमलों का समर्थन माँगा था, लेकिन उस समय वाशिंगटन ने प्रत्यक्ष सैन्य संधार्ष में शामिल होने से इनकार किया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका खुफिया जानकारी और अन्य सहायता देता रहा। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका की सहायता और उसकी प्रत्यक्ष युद्ध में भागीदारी अलग-अलग विषय हैं। वाशिंगटन के लिए व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष का जोखिम, सैन्य संसाधनों पर दबाव और दूसरे मोर्चों पर उसकी प्राथमिकताएँ महत्वपूर्ण कारक हैं।

बोध कथा

नवरात्रि का चमत्कार

अशोक मतवाला

एक गाँव में मीरा नाम की एक छोटी-सी लड़की रहती थी। नवरात्रि के दिन ये पूरा गाँव माँ दुर्गा की पूजा में मग्न था, लेकिन मीरा की माँ बीमार थी और घर में खाने तक के पैसे नहीं थे।

मीरा ने माँ दुर्गा की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर कहा, ‘माँ! सब लोग आपको चुनरी, मिठाई और सोना चढ़ाते हैं। मेरे पास तो कुछ भी नहीं। मैं आपको क्या चढ़ाऊँ?’

उसी रात मीरा ने देखा कि मंदिर के बाहर एक बूढ़ी औरत टंड से काँप रही थी। मीरा ने अपनी सबसे अनमोल घंटी उसे ओढ़ा दी और अपने हिस्से की रोटी भी खिला दी।

बूढ़ी औरत मुस्कुराई और बोली, ‘बेटी, तूने आज माँ को सबसे अनमोल भेंट दी है।’

अगली सुबह गाँव के मंदिर में एक अजीब घटना हुई। पुजारी ने देखा कि माँ दुर्गा की मूर्ति पर चढ़ी चुनरी के पास एक छोटी-सी पर्ची

रखी थी, जिस पर लिखा था— ‘मैं सोने-चाँदी से नहीं, अपने भक्तों के प्रेम और करुणा से प्रसन्न होती हूँ।’

उसी दिन गाँव के एक वैद्य को मीरा की माँ की बीमारी का पता चला। उसने निःशुल्क इलाज किया। गाँव वालों ने भी मीरा के परिवार की सहायता की और कुछ ही दिनों में उसकी माँ स्वस्थ होने लगी।

मीरा फिर मंदिर गई और बोली, ‘माँ, क्या आप सचमुच उस बूढ़ी औरत के रूप में आई थीं?’

मंदिर की घंटी हवा के झोंके से बज उठी। मीरा मुस्कुराई और उसकी आँखों में खुशी के आँसू आ गए।

उसे समझ आ गया था कि माँ दुर्गा की शक्ति केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि हर उस हृदय में बसती है, जहाँ दया, साहस और प्रेम जीवित हैं। नवरात्रि केवल नौ दिन पूजा करने का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर की करुणा, साहस और अच्छाई को जगाने का अवसर है।

कविता

विश्वात्मा



मोनिका ड़ागा
‘आनंद’, चेन्नई

बॉंधे जाते हैं मन्नतों के धागे, इस आस में रुका सौभाग्य जागे, करुण प्रार्थनाएं परमेश्वर सुन ले, लाखों की भीड़ में हमें बस वो चुन लें ।

तकनीकी रास्ते बंद जहाँ हो जाते, याचक मुराद ले प्रभु के द्वार भागते, अपराधों की क्षमा याचना कर प्रभु से, होते हल्के चिंताओं के पहाड़ से ।

पीपल नीम कभी वट को सूत बाँधतें, गहरा विश्वास जगा मन्नतें माँगतें, अशांत मन ताकि थोड़ा सुकून पा सके,

अतृप्त इच्छाशक्ति सजग हो जाग सके ।

तजकर अवसाद नया संबंध जोड़ते, आस की दीप्ति से संशय बाँध तोड़ते, रमें कोशिशों में ये धागा बस दमकें, फरियाद शीघ्र फलीभूत होकर चमकें ।

ये अटल विश्वास पुष्पित करता फल को, धागा ये खुशियों से भर देता कल को, रूकावट मन की है हम यह जानें तो, ‘आनंद’ यहीं है भीतर पहचानें तो ।

अनंत भंडार यहाँ लगती कमी हमें, खोजते चाहतों को हम इसमें उसमें, गहरा हो जब रिश्ता अंतरात्मा से, अंकुरित तेज होता है विश्वात्मा से ।

व्यंग्य केसरी

वाह! मुद्दा मिल गया...



बेबाक बनारसी

लगा था, जो उनके स्वास्थ्य और छवि दोनों के लिए बेहद खतरनाक संकेत था। प्रेस क्लब का समोसा और कैमरों की चमचमाती लाइटें देखे उन्हें जमाना बीत चुका था।

तभी एक रोज़ गुप्तचरों अर्थात फेसबुक और वॉट्सऐप ग्रुपों से खबर उड़ी कि शहर के ‘विकास नगर’ की मुख्य सड़क पर इतने गड्डे हो चुके हैं कि वहां चंद्रमा की सतह का अहसास मुफ्त में मिल रहा है। बस फिर क्या था! लटकनराम के चेहरे पर वही चिर-परिचित क्रांति की चमक लौट आई। उन्होंने तुरंत अपना ‘आंदोलन किट’ निकाला, खादी का झोला, एक फटा हुआ तिरपाल, तीन-चार खाली बैनर जिन पर तुरंत मार्कर से नारा लिखा जा सके, और गले में डालने वाला एक गमछा।

?सुबह दस बजे, विकास नगर के सबसे भव्य, गहरे और ऐतिहासिक गड्डे के ठीक मुहाने पर लटकनराम ने अपना तिरपाल बिछाया और पालथी

मारकर बैठ गए। हाथ में तख्ती लहराई— ‘सड़क में गड्डा है या गड्डे में सड़क? जवाब दो, वरना यहीं समाधि होगी!

शुरुआत में दो-चार राहगीर रुके। एक स्कूटी वाला जो अभी-अभी गड्डे से उछलकर कमर पकड़ चुका था, बोला, ‘भाई साहब, सही कर रहे हो। यह गड्डा नहीं, यमराज का मुख्य द्वार है।’

?दोपहर होते-होते माहौल गर्मा गया। लटकनराम के दो-चार शागिर्द भी आ गए। धरना स्थल तो उनका बाकायदा ‘गड्डा बचाओ नहीं, सड़क बचाओ’ मोर्चा खुल गया। बगल के चाय वाले की बिक्री चार गुना बढ़ गई। उसने खुश होकर लटकनराम को दो कप स्पेशल अदरक वाली चाय पिलाई। लटकनराम ने ‘अन्न त्याग’ किया था, तरल पदार्थों पर उनका गांधीवादी विशेषाधिकार कायम था। शाम तक एक स्थानीय यूट्यूब पत्रकार माइक लेकर पहुंचा,

‘लटकन की, इस ऐतिहासिक गड्डे को आप किस नजरिए से देखते हैं?’ लटकनराम ने कैमरे की ओर देखकर आंखें तरेरीं, ‘यह गड्डा नहीं, लोकतंत्र का रिसता हुआ घाव है!’

?आनन-फानन में नगर निगम का एक डंपर डामर और गिट्टी लेकर सायरन बजाता हुआ पहुंचा। साथ में चार मजदूर फावड़े लिए कूद पड़े। ?जैसे ही मजदूरों ने गड्डे में गिट्टी डालनी शुरू की, लटकनराम की आत्मा अचानक छटपटा उठी। अरे! अगर यह गड्डा भर गया, तो उनका धरना कैसे चलेगा? कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस का क्या होगा? परसों जो भूख हड़ताल का पोस्टर छपने दिया था, उसका फावड़े लिए कूद देगा?

लटकनराम झपटकर गिट्टी के ढेर पर लोट गए और चीखे, ‘रुक जाओ! यह सबूत मिटाने की साजिश है! जांच आयोग बनने से पहले इस गड्डे को छूना जनता की भावनाओं का कत्ल है!’

इतिहास

17 अक्टूबर का इतिहास भारतीय और विश्व पटल पर कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है:

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं

1814: लंदन में बियर की बाढ़ आई थी, जिसमें मेउक्स एंड कंपनी की फैक्ट्री का बड़ा टैंक टूटने से करीब 3,20,000 गैलन बियर सड़कों पर बह गई थी और 8 लोगों की मौत हो गई थी.

1850: कलकत्ता बंदरगाह को एक संवैधानिक निकाय प्रबंधन के तहत लाया गया.

1933: प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टाइन नाजी जर्मनी से भागकर अमेरिका पहुंचे थे.

1956: इंग्लैंड में दुनिया का पहला कमर्शियल परमाणु ऊर्जा संयंत्र ‘काउंडर हॉल’ चालू किया गया.

1979: समाजसेविका मदर टेरेसा को शांति की नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था ।

कोकड़े ग्राम पंचायत ने धर्मांतरण के विरोध में प्रस्ताव किया पारित, गांव में लगाया बोर्ड

आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण का लिया गया संकल्प



विश्व केसरी■
भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। कांकेर जिले के दुर्गाकोदल तहसील अंतर्गत ग्राम कोकड़े में धर्मांतरण के विरोध में ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव पारित किए जाने की बात सामने आई है। इसके बाद गांव

में एक बोर्ड लगाया गया है, जिस पर पास्टर की धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों को वर्जित किए जाने का उल्लेख किया गया है। गांव में लगाए गए बोर्ड पर संविधान की पांचवीं अनुसूची और पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों

तक विस्तार) अधिनियम, 1996 यानी पेसा कानून का हवाला देते हुए आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण की बात कही गई है। बोर्ड में ग्रामस्था के प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए धर्मांतरण संबंधी

गतिविधियों पर रोक लगाने की बात लिखी गई है। इस दौरान देवेंद्र टेकाम और धनी दरौ सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने अपनी पारंपरिक संस्कृति और रीति-रिवाजों के संरक्षण पर जोर दिया।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों, शैक्षणिक संस्थानों का किया निरीक्षण

विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने आज जनपद पंचायत बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत ओबरी, जवाहरनगर, सुरी, जरहाडीह सहित अन्य ग्राम पंचायतों का दौरा कर विभिन्न योजनाओं के तहत पूर्ण एवं निर्माणाधीन विकास कार्यों, शासकीय विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित आजीविका गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



ग्राम पंचायत ओबरी में सीईओ डॉ. चतुर्वेदी ने पुलिया निर्माण, शिव मंदिर के पास तटबंध निर्माण और शेड निर्माण सहित अन्य कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता में आवश्यक सुधार करते हुए तकनीकी मापदंडों के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों एवं तकनीकी अमले को निर्देशित किया। ग्राम पंचायत जवाहरनगर में उन्होंने एनआरएलएम के तहत महिला स्व-सहायता समूहों

द्वारा संचालित मछली पालन, किराना दुकान, कपड़े की दुकान और श्रृंगार स्टोर जैसी स्वरोजगार गतिविधियों को देखा। शीतल महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य उमा रानी गोलदार ने बताया कि वे इन गतिविधियों से प्रतिमाह लगभग 15 हजार रुपये की आय अर्जित कर परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। गतिविधियों के विस्तार के लिए उन्होंने एनआरएलएम से 5 लाख रुपये का ऋण भी लिया है।

नवरात्र में गांव-गांव पहुंच रहीं बेला अनिल कुशवाहा, 40 पूजा समितियों से किया संपर्क; पुजारियों का सम्मान कर बढ़ाया उत्साह

विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। नवरात्र पर्व के पावन अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बेला अनिल कुशवाहा गांव-गांव पहुंचकर माता रानी के दर्शन करने, पूजा समितियों के सदस्यों से मुलाकात करने और धार्मिक आयोजनों में सहभागिता निभाने में सक्रिय हैं। नवरात्र के पहले दिन से ही उनका विभिन्न गांवों के दुर्गा पूजा पंडालों तक पहुंचने का सिलसिला जारी है। इस दौरान वे माता रानी के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और कुशहाली की कामना कर रही हैं। साथ ही दुर्गा पूजा समितियों को सहयोग राशि प्रदान कर आयोजन में जुटे लोगों का उत्साह बढ़ा रही हैं। बेला अनिल कुशवाहा धार्मिक आयोजनों में योगदान देने के साथ ही पंडितों और पुजारियों को गमछ भेंटकर सम्मानित भी कर रही हैं। उनके इस



कार्यक्रम में आस्था, परंपरा और सामाजिक सहभागिता की झलक देखने को मिल रही है। नवरात्र के दौरान पूजा पंडालों में पहुंचकर समितियों के सदस्यों और स्थानीय लोगों से मुलाकात करने के माध्यम से वे लोगों के साथ संवाद भी स्थापित कर रही हैं।

30 से 40 दुर्गा पूजा समितियों से मुलाकात, धार्मिक आयोजनों को दिया सहयोग - नवरात्र के दौरान अब तक बेला अनिल कुशवाहा लगभग 30 से 40 दुर्गा पूजा समितियों के सदस्यों से मुलाकात कर चुकी हैं। विभिन्न गांवों में पंडालों में पहुंचकर समितियों में पहुंचकर और उन्होंने माता रानी के दर्शन किए और आयोजन से जुड़े लोगों के साथ समय बिताया। इस दौरान पूजा समितियों को सहयोग राशि प्रदान कर धार्मिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन में अपनी सहभागिता निभाई।

मसानियाखुर्द आश्रम में मनाई गई डॉ. कलाम की जयंती, बच्चों ने प्रस्तुत किए विज्ञान मॉडल

विश्व केसरी■
सक्ती (ईश्वर लोधी)। शासकीय आदिवासी बालक आश्रम मसानियाखुर्द में भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती अत्यंत उत्साह के साथ मनाई गई। इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिवार और छात्रों ने उनके जीवन दर्शन को याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधान पाठक शैल कुमार पांडेय ने



डॉ. कलाम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उनके संघर्षमय बचपन, नाव चलाने से

लेकर देश के सर्वोच्च वैज्ञानिक और मिसाइल मैन बनने तक की प्रेरणादायक यात्रा से अवगत

कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि 'दिमाग से सुंदर बनें', क्योंकि आंतरिक ज्ञान और अच्छे विचार ही ईसान को बनाने में सहायक हैं। **बच्चों ने प्रदर्शित की वैज्ञानिक प्रतिभा** जयंती के इस पावन अवसर पर आश्रम के छात्रों ने अपनी वैज्ञानिक कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। छात्र पूर्व एवं रौनक उरांव ने अपने हाथों से तैयार किया गया हैंड पंप चलित मॉडल सबसे समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने खूब सराहा। इसके साथ ही, आठ

26 अक्टूबर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिले में 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाएगा। इस वर्ष सप्ताह का विषय 'सतर्कता से समृद्धि' निर्धारित किया गया है। सप्ताह के दौरान शासकीय कार्यालयों में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में कलेक्टर ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह के प्रथम दिन 26 अक्टूबर को सुबह 11 बजे सभी शासकीय कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही सप्ताह भर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्धारित तिथि एवं समय पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित करने तथा सप्ताह के दौरान प्रस्तावित गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

आरटीआई पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न



विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आरटीआई पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग संबंधी एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के जनसूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों ने भाग लिया। तकनीकी अधिकारियों ने पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग की प्रक्रिया समझाई और इसके उपयोग का प्रशिक्षण दिया। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि अधिकारी अपने कामकाज में इतनी पारदर्शिता बरतें कि सूचना देते समय किसी जानकारी को छिपाने की जरूरत ही न पड़े। सूचना का

अधिकार अधिनियम कामकाज में जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ ही गलत कार्यों से बचने के लिए भी प्रेरित करता है। उन्होंने अधिकारियों से अधिनियम के प्रावधानों को सावधानीपूर्वक पढ़ने, समझने और उनकी मंशा के अनुरूप कार्य करने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम की मंशा जनहित में है। इसे केवल आवेदनों के निराकरण तक सीमित रखकर देखने के बजाय व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समझना चाहिए। लोकतंत्र में आम नागरिक का अधिकार सम्पन्न होना देश के विकास को मजबूती देता है। जनता के हाथ में सूचना की ताकत होने से प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है।

अग्रवाल ने कहा कि अधिनियम के प्रावधानों की पर्याप्त जानकारी नहीं होने से अधिकारियों को दंडात्मक कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए इसके अध्ययन और समझ पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव दिया कि अधिनियम को सूचना देने वाले अधिकारी के साथ ही सूचना मांगने वाले नागरिक के दृष्टिकोण से भी पढ़ें। इससे इसके उद्देश्य और विभिन्न प्रावधानों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर डॉक्टर ज्योति पटेल, डिप्टी कलेक्टर सलिकराम गुप्ता सहित जिले के जनसूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारी उपस्थित थे।

दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए 21 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

विश्व केसरी■
बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरस्कार 2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रतिवर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांग कर्मचारियों, संस्थाओं एवं दिव्यांगजन कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, अस्थिबाधित एवं प्रमस्तिष्क अंगाघात श्रेणी के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों तथा दिव्यांगजन कल्याण के क्षेत्र में दिव्ययोगदान देने वाली संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त निःशक्तता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिले को भी सम्मानित किया जाएगा। इच्छुक पात्र आवेदक अपने कार्यों एवं उपलब्धियों के विस्तृत विवरण के साथ निर्धारित प्रारूप में आवेदन 21 अक्टूबर 2026 तक कार्यालय संयुक्त संचालक, समाज कल्याण विभाग, पुरानी कंपोजिट बिल्डिंग, कक्षा नंबर 04, जिला बिलासपुर में जमा कर सकते हैं।

शिवरीनारायण महोत्सव में स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

विश्व केसरी■
छत्तीसगढ़ (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ की धार्मिक एवं पर्यटन नगरी शिवरीनारायण प्राचीन काल से ही अपनी धार्मिक महत्ता, व्यापारिक गतिविधियों और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध रही है। जाँजगीर-चाँपा जिले में महानदी के पावन तट पर स्थित यह नगर भगवान नर-नारायण की नगरी और माता शिवरी की पावन धरा के रूप में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। राम वनगमन पर्यटन परिपथ में भी शिवरीनारायण का विशेष स्थान है। इन दिनों नवरात्रि महोत्सव के चलते नगर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। इसी धार्मिक माहौल के बीच नगर पंचायत शिवरीनारायण के तत्वावधान में आयोजित शिवरीनारायण महोत्सव ने नगरवासियों और दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शिवरीनारायण पहुंचे। उन्होंने भगवान

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ की धार्मिक एवं पर्यटन नगरी शिवरीनारायण प्राचीन काल से ही अपनी धार्मिक महत्ता, व्यापारिक गतिविधियों और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध रही है। जाँजगीर-चाँपा जिले में महानदी के पावन तट पर स्थित यह नगर भगवान नर-नारायण की नगरी और माता शिवरी की पावन धरा के रूप में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। राम वनगमन पर्यटन परिपथ में भी शिवरीनारायण का विशेष स्थान है। इन दिनों नवरात्रि महोत्सव के चलते नगर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। इसी धार्मिक माहौल के बीच नगर पंचायत शिवरीनारायण के तत्वावधान में आयोजित शिवरीनारायण महोत्सव ने नगरवासियों और दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शिवरीनारायण पहुंचे। उन्होंने भगवान



नर-नारायण के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर में आयोजित इस महोत्सव में धार्मिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों की श्रृंखला रखी गई, जिसमें कवि सम्मेलन के साथ विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। **मायापुर के मंदिर की तर्ज पर सजा मां दुर्गा का दरबार** नवरात्रि के अवसर पर शिवरीनारायण में मां दुर्गा के भव्य पंडाल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। नगर में इस्कोन मायापुर मंदिर की तर्ज पर तैयार किया गया मां दुर्गा का

आकर्षक दरबार लोगों के बीच विशेष चर्चा का विषय है। भव्य सजावट और धार्मिक वातावरण ने नवरात्रि की रौनक को और बढ़ा दिया है। दूर-दूर से पहुंच रहे श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन कर रहे हैं। **स्कूली बच्चों की प्रस्तुतियों ने बांधा समं** शिवरीनारायण महोत्सव में नगर के विभिन्न अंग्रेजी माध्यम, हिंदी माध्यम और शासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कीं। बच्चों के नृत्य, अभिनय और मनमोहक मंचीय कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के

दौरान विद्यार्थियों का उत्साह और दर्शकों की तालियां पूरे आयोजन में नई ऊर्जा भरती रहीं। इन प्रस्तुतियों के बीच सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं का कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रस्तुति के दौरान पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट और दर्शकों के उत्साह से गूंज उठा। दर्शकों की जोरदार प्रतिक्रिया ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। मंच संचालन कर रहे एंकर भी बच्चों की प्रस्तुति से प्रभावित नजर आए। विद्यालय की प्रस्तुति में आकांक्षा साहू, दीपिका, कनक, जाली, वर्षा, कंचन, प्रभा, शालिनी, कामेश्वरी, हर्षिता, आस्था, अनुष्का, किरण, आरोही और सिमरन सहित अन्य छात्र-छात्राएं शामिल रहे। वहीं भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण से संबंधित पात्रों के माध्यम से भी मंच पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक भावनाओं को प्रस्तुत किया गया।

छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में तीन सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक को सौंपेगा ज्ञापन

विश्व केसरी■
भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज द्वारा अपनी तीन सूत्रीय मांगों को आगामी विधानसभा शीतकालीन सत्र में उठाने के संबंध में भानुप्रतापपुर विधानसभा की विधायक सावित्री मंडावी को ज्ञापन सौंपने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर को आधिकारिक सूचना प्रेषित कर दी गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 18 अक्टूबर 2026 (दिन रविवार) को दोपहर 01:00 बजे छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज द्वारा



माननीय विधायक भानुप्रतापपुर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस दौरान समाज के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे, जिसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित नाम शामिल हैं, संभागीय संयोजक मंत्री: मनीष टेम्पा योगी ब्लॉक उपाध्यक्ष

दुर्गाकोदल दीनदयाल पटेल, मुकेश चंद्राकर, दिलीप ताम्रकार, भीषम पटेल, यशवंत चक्रधारी और मयंक सोनी आवश्यक कार्रवाई और कानून-व्यवस्था के लिए इस माध्यम से से निम्नलिखित नाम सूचना की एक प्रति भानुप्रतापपुर थाना प्रभारी को भी सादर प्रेषित की गई है।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद, सेंसेक्स 414 अंक उछला

विश्व केसरी■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 413.66 अंक या 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,729.27 और निफ्टी 148.80 अंक या 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,146.15 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। सूचकांकों को निफ्टी आईटी 3.92 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था। इसके अलावा, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी मीडिया, निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी कंजेशन, निफ्टी इंडिया - मैन्यूफैक्चरिंग, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी प्राइवेट बैंक बढ़ने वाले सूचकांकों में शामिल थे।

दूसरी तरफ निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरैबल्स, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएम्आई और निफ्टी एनर्जी लाल निशान में बंद हुए।



लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 67.50 अंक या 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,129.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 1.90 अंक की मामूली गिरावट के साथ 19,129.80 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, टीसीएस, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, टैट, इटरनल, एचयूएल,आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई गेनर्स थे। इंडिगो,रिलायंस

इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, बीईएल, एलएंडटी, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एडीएफसी बैंक और सन फार्मा लूजर्स थे। एक्सपर्ट्स ने कहा कि आईटी शेयरों में लगातार खरीदारी के चलते भारतीय शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन सुधार जारी रहा। मजबूत तिमाही नतीजों और प्रबंधन की सकारात्मक टिप्पणियों ने इस क्षेत्र के आय दृष्टिकोण में विश्वास को और मजबूत किया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रुपए के मजबूत होने से बाजार के सेंटिमेंट को और समर्थन मिला।

हालांकि, इनपुट लागत में वृद्धि के कारण दूसरी तिमाही में मार्जिन में कमी की चिंताओं के चलते एफएमसीजी शेयरों पर दबाव बना रहा। यह क्षेत्रीय अंतर लगातार लागत दबाव के बीच आय की स्पष्टता के प्रति निवेशकों की प्राथमिकता को दर्शाता है। रुपए की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भले ही अल्पकालिक समर्थन मिले, लेकिन वैश्विक मुद्रास्फीति और भू-राजनीतिक जोखिमों के प्रति सतर्कता बरतनी जरूरी है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एफआईआईटीजेईई और निदेशकों के खिलाफ चार्जशीट दायर की

विश्व केसरी■
लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल कार्यालय ने छात्रों से वसूली गई फीस के कथित गबन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में एफआईआईटीजेईई लिमिटेड और उसके निदेशकों दिनेश कुमार गोयल एवं मोनिला गोयल के खिलाफ गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

ईडी ने गुरुवार को चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने आरोपियों को दोषी ठहराने और जांच के दौरान जब्त एवं अस्थायी रूप से कुर्क की गई 71.88 करोड़ रुपए की संपत्तियों को जब्त करने की मांग की है।

ईडी ने उत्तर प्रदेश के नोएडा और ग्रेटर नोएडा एवं मध्य प्रदेश के भोपाल में पुलिस द्वारा दर्ज किए एफआईआर के आधार पर जांच



शुरू की थी। ये एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के उन प्रावधानों के तहत दर्ज की गई थीं, जो भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 406, 420, 120बी और 34 के अनुरूप हैं।

एफआईआर के अनुसार, एफआईआईटीजेईई ने जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सहित दो से चार साल के कोचिंग कार्यक्रमों के लिए प्रत्येक छात्र से अग्रिम रूप से 2.8 लाख रुपए से 3.5 लाख रुपए तक की फीस कथित तौर पर वसूली थी। संस्थान

ने छात्रों को आश्वासन दिया था कि पाठ्यक्रम पूरे कराए जाएंगे। हालांकि, ईडी ने आरोप लगाया कि वेतन का भुगतान नहीं होने के कारण शिक्षकों ने संस्थान छोड़ दिया और इसके बाद कई कोचिंग केंद्र बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक बंद हो गए।

एजेंसी ने आगे आरोप लगाया कि प्रबंधन ने छात्रों की फीस को दूसरी जगह इस्तेमाल किया और शिक्षकों के संस्थान छोड़ने के बावजूद नए छात्रों का दाखिला जारी रखा।

इस मामले में नोएडा पुलिस भी आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है, जिसमें दिनेश कुमार गोयल और मोनिला गोयल को आरोपी बनाया गया है। पुलिस का आरोपपत्र लगभग 300 पीड़ितों, कोचिंग सेंटर संचालकों और अन्य गवाहों के बयानों के अलावा जांच के दौरान जुटाई गई फीस की रसीदों और अन्य साक्ष्यों पर आधारित है।

ईडी की जांच में दावा किया गया कि एफआईआईटीजेईई ने मई 2024 से फरवरी 2025 के बीच अचानक 32 केंद्र बंद कर दिए। इससे संस्थान में नामांकित 14,411 मार्च 2029 तक चलने वाले फीस पहले ही जमा कर चुके थे।

एजेंसी के अनुसार, कंपनी नए छात्रों को दाखिला देती रही। इनमें मार्च 2029 तक चलने वाले कार्यक्रमों के छात्र भी शामिल थे, जबकि कंपनी को कथित तौर पर इस बात की जानकारी थी कि वह इन पाठ्यक्रमों को पूरा कराने में सक्षम नहीं होगी।

यस बैंक को लेकर ब्रोकिंग फर्मों ने अपनाया सतर्क रुख, शेयर फिसले

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। यस बैंक के शेयरों में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिली। इसकी वजह सुप्रीम कोर्ट द्वारा 8,415 करोड़ रुपए के ‘एडिशनल टियर-1’ (एटी-1) बॉन्ड को राइट-ऑफ रद्द करने के फैसले को बरकरार रखने के बाद ब्रोकिंग फर्मों का यह बैंक को लेकर सतर्क रुख अपनाना है।

ब्रोकिंग फर्मों ने चेतावनी दी है कि इससे बैंक की पूंजी और बुक वैल्यू पर दबाव पड़ सकता है।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ‘सिटी’ के एनालिस्ट्स ने यस बैंक पर अपनी ‘बिकवाली’ की रेटिंग बरकरार रखी है और इसका टारगेट प्राइस घटाकर 17.50 रुपए कर दिया है।

इसी तरह, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मॉर्गन स्टैनली ने भी अपनी ‘अंडरवेट’ रेटिंग को बनाए रखा है और इसका टारगेट प्राइस 17 रुपए तय किया है। कोर्ट के इस



फैसले के चलते स्टॉक में भारी बिकवाली देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट ने यस बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार की उन अपीलों को खारिज कर दिया है, जो बॉम्बे हाई कोर्ट के 20 जनवरी, 2023 के फैसले के खिलाफ दायर की गई थीं। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एटी-1 बॉन्ड के ‘राइट-डाउन’ को रद्द कर

दिया था। ये बॉन्ड मार्च 2020 में बैंक को बचाने की प्रक्रिया के दौरान खतम कर दिए गए थे।

सिटी के अनुसार, एटी-1 बॉन्ड के राइट-डाउन को पलटने से पूंजी से जुड़ी चिंताएं फिर से पैदा हो गई हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि इस फैसले के चलते यस बैंक के ‘कॉमन इक्विटी टियर 1’ (सीईटी1) कैपिटल रेशियो में 250

आधार अंक की कमी आ सकती है और यह घटक 11.5 प्रतिशत पर आ सकता है। यह अनुमान केवल मूल राशि पर आधारित है और इसमें यह मानकर चला गया है कि कूपन भुगतान स्वैच्छिक हैं और नॉन-क्यूमुलेटिव हैं।

ब्रोकरेज का यह भी अनुमान है कि इस संभावित देनदारी से बैंक की बुक वैल्यू 13-14 प्रतिशत तक कम हो सकती है, जिसके चलते कैपिटल बफर को बहाल करने के लिए बैंक को अतिरिक्त पूंजी जुटानी पड़ सकती है।

इसका अंतिम असर कितना होगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि इस फैसले को कैसे लागू किया जाता है और बकाया बॉन्ड के साथ क्या व्यवहार किया जाता है।

दोपहर 3 बजे यस बैंक का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 2.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17.72 रुपए पर था।

सऊदी अरब में सुरक्षा चिंताओं के बीच भारतीय एयरलाइंस ने कई उड़ानें की रद्द



विश्व केसरी■
नई दिल्ली। सऊदी अरब में विकसित हो रही सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर भारतीय विमानन कंपनियों – एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस – ने शुक्रवार को कई सऊदी गंतव्यों के लिए अपनी उड़ान सेवाएं 20 अक्टूबर तक निलंबित करने की घोषणा की।

एयरलाइंस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी यात्रा परामर्श के अनुसार, रियाद, जेद्दा और दम्माम सहित सऊदी अरब के प्रमुख शहरों के लिए उड़ान सेवाएं अलग-अलग अवधि तक निलंबित रहेंगी। कुछ एयरलाइंस ने मदीना के लिए भी उड़ानें रद्द की हैं।

एयर इंडिया ने कहा, ‘सऊदी अरब में विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए रियाद, दम्माम और जेद्दा के लिए तथा वहां से संचालित होने वाली एयर इंडिया की सभी उड़ानें 20 अक्टूबर 2026 तक रद्द रहेंगी।’

एयरलाइन ने यह भी कहा कि इन रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड दिया जाएगा। एयर इंडिया ने एक्स पर लिखा, ‘हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।’ इसी तरह एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी कहा कि उसने एयरलाइन ने यह भी कहा कि इन रद्द उड़ानों के निलंबन को 21 अक्टूबर तक बढ़ाने की जानकारी दी। एयरलाइन ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को पूर्ण रिफंड या बिना अतिरिक्त शुल्क के यात्रा पुनर्निर्धारण का विकल्प दिया जाएगा। सभी एयरलाइंस ने दोहराया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सेवाओं को बहाल करने का निर्णय स्थिति की लगातार समीक्षा के बाद लिया जाएगा। इसके अलावा यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि उनका संपर्क विवरण एयरलाइन के साथ अपडेट हो।

तथा वहां से संचालित उड़ानों को 24 अक्टूबर तक रद्द करने की घोषणा की थी।

इसके अलावा, अकासा एयर ने भी रियाद के लिए और वहां से संचालित उड़ानों के निलंबन को 24 अक्टूबर तक तथा जेद्दा के लिए उड़ानों के निलंबन को 21 अक्टूबर तक बढ़ाने की जानकारी दी। एयरलाइन ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को पूर्ण रिफंड या बिना अतिरिक्त शुल्क के यात्रा पुनर्निर्धारण का विकल्प दिया जाएगा। सभी एयरलाइंस ने दोहराया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सेवाओं को बहाल करने का निर्णय स्थिति की लगातार समीक्षा के बाद लिया जाएगा। इसके अलावा यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि उनका संपर्क विवरण एयरलाइन के साथ अपडेट हो।

सरकार ने सोने-चांदी के इयूटी ड्रॉबैक दरों में की कटौती; गोल्ड पर 3.1 प्रतिशत और सिल्वर पर करीब 9 प्रतिशत की कमी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोने और चांदी के आभूषणों तथा अन्य कीमती धातु उत्पादों के निर्यात पर मिलने वाली इयूटी ड्रॉबैक दरों में कटौती कर दी है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, गोल्ड ज्वेलरी पर मिलने वाले इयूटी रिफंड में 3.1 प्रतिशत और चांदी के आभूषणों एवं अन्य उत्पादों पर मिलने वाले रिफंड में करीब 9 प्रतिशत की कमी की गई है। इस फैसले से भारतीय ज्वेलरी निर्यातकों को पहले के मुकाबले कम वित्तीय लाभ मिलेगा और उनके मार्जिन पर सीधा असर पड़ सकता है।

इयूटी ड्रॉबैक वह व्यवस्था है जिसके तहत निर्यातकों को उन कस्टम और अन्य शुल्कों का रिफंड मिलता है जो निर्यात के लिए तैयार किए गए उत्पादों में इस्तेमाल होने



वाले कच्चे माल या इनपुट पर चुकाए गए करना होता है। नए संशोधन के बाद सोने के आभूषणों के निर्यात पर मिलने वाला इयूटी ड्रॉबैक 1,851.99 रुपए प्रति ग्राम से घटाकर

1,794.11 रुपए प्रति ग्राम कर दिया गया है। यानी गोल्ड ज्वेलरी निर्यातकों को अब प्रति ग्राम कम रिफंड मिलेगा। वहीं चांदी से जुड़े उत्पादों पर कटौती और भी अधिक की गई है। चांदी के आभूषणों और अन्य वस्तुओं के निर्यात पर मिलने वाली दर 29,501.09 रुपए प्रति किलोग्राम से घटाकर 26,859.02 रुपए प्रति किलोग्राम कर दी गई है। इससे चांदी निर्यातकों को लगभग 9 प्रतिशत तक का झटका लगा है।

दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने इसी वर्ष जुलाई में ज्वेलरी निर्यात उद्योग को राहत देते हुए इयूटी ड्रॉबैक दरों में बड़ा उछाल किया था। उस समय बढ़ती लागत और वैश्विक अनिश्चितताओं को देखते हुए गोल्ड ज्वेलरी पर मिलने वाला रिफंड 773.17 रुपए प्रति ग्राम से बढ़ाकर 1,851.99 रुपए प्रति ग्राम कर दिया गया था।

चैतन्य टेवनो स्कूल, रायपुर (मोवा-दलदल सिवनी) ने 350 से अधिक प्रतिभागियों के साथ भव्य गरबा नाइट का आयोजन किया

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। चैतन्य टेवनो स्कूल, मोवा-दलदल सिवनी, रायपुर ने विद्यालय परिसर में जीवंत गरबा नाइट समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 350 से अधिक अभिभावकों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह एक यादगार सांस्कृतिक संस्था बन गई।

अभिभावकों, विद्यार्थियों और बच्चों ने गरबा समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया और उत्सवपूर्ण वातावरण का आनंद उठाया। इस आयोजन ने सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने तथा विद्यालय और अभिभावक समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

समारोह के अवसर पर विद्यालय ने



आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए विशेष प्रवेश कक्षा साई कुमार, क्षेत्रीय प्रभारी, और पी. श्रीवल्ली, प्राचार्या की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी का स्वागत किया और अभिभावकों को

एजीएम, के. सुरेश कुमार, कार्यकारी डीन, कक्षा साई कुमार, क्षेत्रीय प्रभारी, और पी. श्रीवल्ली, प्राचार्या की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी का स्वागत किया और अभिभावकों को

विद्यालय द्वारा प्रदान किए जा रहे शैक्षणिक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का सुव्यवस्थित आयोजन प्राचार्या और स्टाफ सदस्यों द्वारा किया गया। समारोह को और अधिक आनंददायक बनाने के लिए विद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रम में शामिल सभी अभिभावकों और बच्चों के लिए निःशुल्क भोजन स्टॉल की व्यवस्था की।

मोवा-दलदल सिवनी क्षेत्र में एक नवस्थापित शाखा होने के बावजूद, चैतन्य टेवनो स्कूल को अभिभावकों से लगातार उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है। विद्यालय प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ समग्र विकास प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

8000 किमी की दौड़ पर निकल पड़ा बेटा; कलयुग में मां-बेटे के अनमोल रिश्ते की अनोखी मिसाल



दुनिया में मां और बेटे का रिश्ता सिर्फ खून का नहीं, बल्कि अटूट विश्वास और असीम समर्पण का होता है। जब बात मां की जिंदगी और सेहत की हो, तो एक बेटा भगवान से भी जंग जीतने का जज्बा रखता है। इन दिनों बिहार के 19

वर्षीय मोनू मेटरबाला की कहानी कुछ ऐसी ही मार्मिक और प्रेरणादायक दास्तान कह रही है, जिसे देखकर हर कोई भावुक हो रहा है। लोग उन्हें प्यार से ‘ब्लैक पैंथर’ के नाम से भी पुकारते हैं और उनकी तुलना आधुनिक युग के श्रवण कुमार

से कर रहे हैं।

दुनिया में यूं तो हर रिश्ता खास होता है, लेकिन मां और संतान का नाता कुछ अलग ही मिट्टी का बना होता है। मां जब बच्चे पर कोई आंच नहीं आने देती, तो एक बेटा भी अपनी मां की एक-एक सांस के

लिए पूरी दुनिया से लड़ सकता है। कुछ ऐसी ही भावुक और आंखें नम कर देने वाली कहानी इन दिनों पूरे देश का दिल जीत रही है, जहां एक बेटे का अपनी मां के प्रति निस्वार्थ प्रेम कलयुग में भक्ति और समर्पण की सबसे बड़ी मिसाल बन गया है।

बस मेरी मां की सांसें लौटा दो प्रभु...

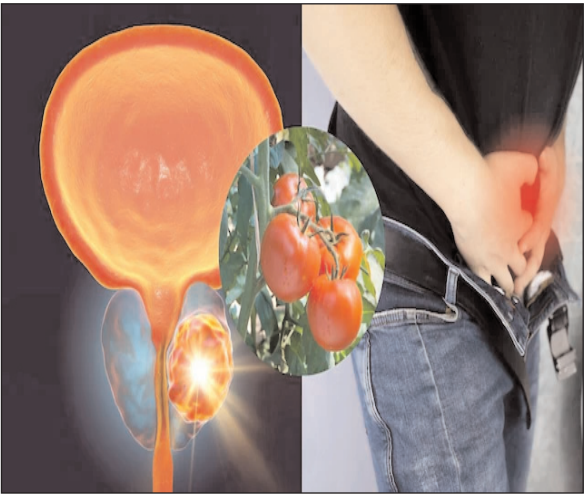
कहते हैं जब ईसान के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं, तब केवल आस्था और मां का प्यार ही हौसला देता है। बिहार के 19 साल के मोनू मेटुरबाला के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। जब उसकी मां गंभीर बीमारी की चपेट में आई और अस्पताल के बिस्तर पर जिंदगी और मौत से जूझ रही थीं, तब सोनू के पास आंसुओं और प्रार्थनाओं के सिवा कुछ नहीं था।

अपनी मां को तड़पता देख इस बेटे का दिल रो पड़ा। उसने आंखें बंद कीं और भगवान भोलेनाथ के सामने अपने दिल का टुकड़ा रख दिया— ‘प्रभु, मेरी मां को स्वस्थ कर दो। मैं बिना किसी गाड़ी, बिना किसी साधन के, अपने पैरों पर दौड़ते हुए देश के सभी 12 ज्योतिर्लिंगों और 4 धामों के दर्शन करने आऊंगा। ‘

मां की मुस्कान और बेटे का कठिन संकल्प

कहते हैं कि अगर प्रार्थना सच्चे दिल से की जाए, तो ईश्वर भी झुक जाते हैं। मां धीरे-धीरे ठीक होने लगीं और उनकी सेहत में सुधार आ गया। मां के चेहरे पर दोबारा मुस्कान लौटी, तो बेटे ने भी बिना एक पल गंवाए अपनी उस कठिन मन्नत को निभाने की तैयारी कर ली।

सबसे तेजी से बढ़ रहा ये कैंसर, 84% भारतीय लोगों को पता ही नहीं जांच हुई या नहीं, सर्वे में खुलासा



एनसीआर, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 45 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के पुरुषों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण में पाया गया कि 68.9% पुरुष प्रोस्टेट कैंसर के एक भी रिस्क कारक का नाम नहीं बता सके, जबकि केवल 13.2% ने पारिवारिक इतिहास को एक जोखिम कारक के रूप में पहचाना। वहीं लगभग 75% का मानना था कि प्रोस्टेट कैंसर की निगरानी केवल 50 वर्ष या उसके बाद शुरू होनी चाहिए।

इस बारे में मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली के मेडिकल ऑकालॉजी वाइस प्रेसिडेंट डॉ देवव्रत आर्या ने कहा कि ये निष्कर्ष प्रोस्टेट कैंसर के संबंध में जागरूकता की एक बुनियादी कमी की ओर संकेत करते हैं। जब लगभग 10 में से 7 पुरुष एक भी जोखिम कारक की पहचान नहीं कर सकते हैं, और 10 में से 6 पुरुषों को यह पता नहीं है कि उनकी कभी जांच हुई है या नहीं, तो यह स्पष्ट है कि 45 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों के लिए प्रोस्टेट स्वास्थ्य को नियमित स्वास्थ्य

स्क्रीनिंग होगी और लोगों को इस बीमारी का पता होगा। हाल ही में 45 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के 1,036 पुरुषों पर किए गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में पाया गया कि 10 में से 6 पुरुषों को यह पता नहीं है कि उनकी कभी प्रोस्टेट कैंसर की जांच हुई है या नहीं, जबकि 84% या तो ऐसे हैं जिनकी जांच नहीं हुई है, या वे अपनी जांच की स्थिति को लेकर ही अनिश्चित हैं।

या फिर उन्हें लगता है कि जांच की जरूरत नहीं है। यही वजह है कि यह कैंसर लगातार खतरनाक बनता जा रहा है।

होल फाउंडेशन और साइजेन ग्लोबल इनसाइट्स एंड कंसल्टिंग के मिलकर किए गए सर्वे में दिल्ली

संबंधी बातचीत का प्रमुख हिस्सा बनाने की जरूरत है। जोखिम, जांच और डॉक्टर से कब बात करनी चाहिए, इसके बारे में जागरूकता सूचित, व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल संबंधी निर्णयों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है।

पूजा हो या कोई खास मौका, घर पर झटपट बनाएं भंडारे वाली कढ़ू की सब्जी, गरमा-गरम पूरी के साथ लगेगी लाजवाब



भंडारे में पूरी के साथ मिलने वाली खट्टी-मीठी कढ़ू की सब्जी का स्वाद ऐसा होता है कि लोग खाने ही रह जाते हैं। हल्के मसाले, सौंफ की खुशबू और गुड़ की मिठास इसके स्वाद को खास बना देती है। अगर आप भी घर पर भंडारे जैसी कढ़ू की सब्जी बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए न तो ज्यादा सामान की जरूरत है और न ही प्याज-लहसुन की। कुछ साधारण चीजों और सही तरीके से आप ऐसी सब्जी तैयार कर सकते हैं, जिसका स्वाद गरमा-गरम पूरी के साथ और भी बढ़ जाएगा। जानिए कढ़ू की सब्जी बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए और किस आसान तरीके से आप घर पर ही भंडारे वाला स्वाद पा सकते हैं।

भंडारे में पूरी के साथ मिलने वाली कढ़ू की सब्जी का स्वाद ही कुछ अलग होता है। हल्का खट्टा-मीठा स्वाद और मसालों की खुशबू इसे इतना स्वादिष्ट बना देती है कि मन करता है एक पूरी और खा लें। अच्छी बात यह है कि इस सब्जी को बनाने के लिए प्याज और लहसुन की जरूरत नहीं पड़ती। अगर आपको भी भंडारे वाली सब्जी पसंद है, तो इसे घर पर आसानी से बना सकते हैं। गरमा गरम पूरी के साथ इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। आइये जानते हैं इसकी आसान रेसिपी।

इस सब्जी को बनाने के लिए 500 ग्राम कढ़ू, 2 टमाटर, 2 हरी मिर्च, 1 इंच अदरक, 2 बड़े चम्मच देसी घी या तेल, आधा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच सौंफ पाउडर, 1 चुटकी हींग, 1 चम्मच जीरा, आधा चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच गुड़ या चीनी, स्वादानुसार नमक और थोड़ा सा हरा धनिया ले लें।

चटपटे के शौकीनों की फेवरेट है जमशेदपुर की यह चाट, 30 में दही बड़ा, मटर और कुरकुरा खस्ता, सुबह 8 बजे से सजता स्टॉल



जमशेदपुर के साकची गोलचक्कर के पास राजू जी की खस्ता चाट बहुत मशहूर है। मात्र 30 रुपये में मिलने वाली इस चाट में कुरकुरे खस्ता, दही बड़े और मटर की सब्जी का शानदार स्वाद मिलता है। सुबह आठ बजे से रात के 9 बजे तक चाट का मजा लिया जा सकता है।

जमशेदपुर में खाने-पीने के शौकीनों की कमी नहीं है। यहां की गलियों में कई ऐसे स्वाद छिपे हैं, जो लोगों को बार-बार अपनी ओर खींच लाते हैं। इसी कड़ी में साकची गोलचक्कर के पास मिलने वाली

राजू जी की खस्ता चाट लोगों के बीच काफी मशहूर है। सुबह 8 बजे से ही राजू जी अपनी दुकान लगाते हैं, जहां चटपटा नाश्ता करने के लिए लोग पहुंचने लगते हैं। खास बात यह है कि यहां मात्र 30 रुपये में स्वाद से भरपूर खस्ता चाट का आनंद लिया जा सकता है।

चटपटे के शौकीनों की पसंदीदा चाट

राजू जी की इस चाट की खासियत इसका कुरकुरा खस्ता है, जिसे सुजी और मैदा से तैयार किया जाता है। इसे इस तरह बनाया जाता है कि खाने में यह काफी क्रिस्पी

बाद दो तरह की चटनी और उसके ऊपर से घर में तैयार किया गया मिक्स मसाला, नमक, जीरा और मिर्च मिलाई जाती है। आखिर में बारीक कटा प्याज और महीन सेव डालकर इसे खाने के लिए परोसा जाता है। इन सभी चीजों का मेल इस साधारण सी दिखने वाली चाट को खास बना देता है।

एक चाट में कई स्वाद इस चाट की सबसे बड़ी खासियत इसका अलग-अलग स्वाद है। एक तरफ दही बड़े का मीठा और ठंडा स्वाद मिलता है, तो दूसरी तरफ खस्ता का कुरकुरापन और मटर की गरमा-गरम सब्जी का चटपटापन मुंह में अलग ही स्वाद घोल देता है। प्याज, सेव और मसालों का जायका इसे और भी मजेदार बना देता है। हर चम्मच में स्वाद का एक नया मेल महसूस होता है, जो खाने के अनुभव को खास बना देता है।

30 रुपये में लें मजा अगर आप भी जमशेदपुर में सुबह-सुबह कुछ चटपटा और स्वादिष्ट खाने की तलाश में हैं, तो साकची गोलचक्कर के पास राजू जी की खस्ता चाट का स्वाद चख सकते हैं। यहां सिर्फ 30 रुपये में मिलने वाली यह चाट कम कीमत में शानदार स्वाद का अनुभव देती है।

और क्रंची लगता है। जब इसके साथ ठंडा-ठंडा दही बड़ा, गरमा-गरम मटर की सब्जी और घर में तैयार किया गया मसाला मिलता है, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। यही वजह है कि चटपटे नाश्ते के शौकीनों को यह चाट खूब पसंद आती है।

ऐसे बनती है यह खास चाट इसे तैयार करने का तरीका भी काफी खास है। सबसे पहले प्लेट में ठंडा-ठंडा दही बड़ा रखा जाता है। इसके ऊपर दो पीस कुरकुरे खस्ता डाले जाते हैं। फिर गरमा-गरम मटर की सब्जी डाली जाती है। इसके

पुराने मकान की छत में दिखने लगी है सरिया? दोबारा लेंटर डलवाने की जरूरत नहीं, ऐसे हो जाएगी मरम्मत



अक्सर आपने देखा होगा कि घर की छतों पर से प्लास्टर निकल जाता है और सरिया दिखने लगता है। अगर आपके घर की छत में भी सरिया दिखाई देने लगी है, तो ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए। क्या दोबारा छत डलवाना सही रहेगा या फिर उसका भी कोई जुगाड़ है, तो चलिए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

पुराने मकानों में समय के साथ छत की हालत खराब होने लगती है। कई बार लेंटर में दरारें दिखाई देने लगती हैं, प्लास्टर झड़ने लगता है और छत के अंदर लगी सरिया भी बाहर नजर आने लगती हैं। ऐसी स्थिति में मकान मालिकों को चिंता सताने लगती है कि कहीं पूरी छत दोबारा न बनवानी पड़े। अगर आपके घर की छत में भी सरिया दिखाई देने लगी है, तो ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए। क्या दोबारा छत डलवाना सही रहेगा या फिर उसका भी कोई जुगाड़ है, तो चलिए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

बिना दोबारा लेंटर डाले कैसे हो सकती है मरम्मत ? राजमिस्त्री के मुताबिक, कुछ मामलों में पुराने लेंटर के ऊपर अतिरिक्त परत डालकर छत की मरम्मत की जा सकती है। इसके लिए जीरा गिट्टी, सरिया का जाल और कंक्रीट का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया जाता है। उन्होंने 9म9 इंच के जाल में 10 एमएम की सरिया लगाने और उसके ऊपर ढलाई करने की बात कही। इसके बाद छत पर उचित ढलान बनाकर पानी की निकासी की व्यवस्था की जा सकती है, जिससे बारिश का पानी जमा न हो।

आखिर जवाई में ऐसा क्या है? जहां लाखों में पहुंच जाता है एक रात का किराया, जानें लग्जरी का राज

अगर हम आपसे कहें कि राजस्थान के एक छोटे से इलाके में एक रात ठहरने का किराया 1 लाख से लेकर 2.5 लाख रुपये तक पहुंच जाता है, तो शायद आपको यकीन न हो। लेकिन यह बिल्कुल सच है। हम बात कर रहे हैं पाली जिले के जवाई लेपड कंजर्वेशन रिजर्व की, जो अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। यहां अरावली की पहाड़ियों, प्राकृतिक गुफाओं और खुले जंगलों के बीच तेंदुओं को करीब से देखने का रोमांच पर्यटकों को खींच लाता है। खास बात यह है कि जवाई में जंगल सफारी के साथ लग्जरी कैप और प्रीमियम रिसॉर्ट्स का ऐसा अनुभव मिलता है, जहां एक रात का किराया देश के महंगे लग्जरी होटलों को भी टक्कर देता है। यही वजह है कि विंटर सीजन में यहां देशी-विदेशी पर्यटकों की मांग बढ़ जाती है और कमरों की कीमतें भी आसमान छूने लगती हैं।



महीना दस्तक देता है और गुलाबी ठंड की शुरुआत होती है, जवाई के सुपर-लक्जरी रिजॉर्ट्स और लग्जरी ग्लैम्पिंग साइट्स की दुनिया पूरी तरह बदल जाती है। अक्टूबर से लेकर 31

दिसंबर (न्यू ईयर) तक यहां का ‘प्रीमियम ट्रिप्स सीजन’ रहता है, जहां देश-विदेश के अरबपतियों, बॉलीवुड सेलिब्रिटीज, देश के बड़े-बड़े उद्योगपतियों और रॉयल

फैमिलीज का तांता लगा रहता है। जवाई केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अनूठा स्थान है जहां ईमान और तेंदुए सदियों से एक शांत सह-अस्तित्व की मिसाल पेश

कर रहे हैं। यहां ग्रेनाइट की विशाल पहाड़ियों, गुफाओं और बहती नदी के बीच बिना किसी पिंजरे या बाधा के खुले में तेंदुओं को देखना एक ऐसा रोमांच है, जो दुनिया में शायद ही कहीं और मिलता है। यहां की बिलावड़ और मारवाड़ की संस्कृति, ग्रामीण परिवेश और बन्‍यजीव प्रेमियों के लिए जवाई किसी जन्म से कम नहीं है।

यही कारण है कि सीजन शुरू होते ही यहां के रूम्स और लग्जरी टेंट की डिमांड आसमान छूने लगती है। स्थिति यह हो जाती है कि महीनों पहले ही बुकिंग फुल हो जाती है। यहां के टेंट्स और विला में ठहरने वाले मेहमानों को जंगल के बीचों-बीच राजा-महाराजाओं जैसी सुख-सुविधाएं, प्राइवेट पूल, जेडब्लू मैरियट या ताज जैसे ग्रुप्स का आतिथ्य और प्रकृति के बेहद करीब रहने का बेजोड़ अनुभव मिलता है। आम दिनों में सामान्य बजट में मिलने वाले होटल के कमरे पर्यटन

सीजन में महंगे हो जाते हैं। अक्टूबर की शुरुआत के साथ ही माउंट आबू में होटल किराए बढ़ने लगते हैं। जैसे-जैसे दिसंबर में क्रिसमस और न्यू ईयर का समय नजदीक आता है, कमरों की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। पीक सीजन में कई होटलों के किराए इतने बढ़ जाते हैं

कि वे देश के महंगे पर्यटन स्थलों को भी टक्कर देने लगते हैं। सुजान जवाई में एक रात ठहरने का किराया 1 लाख 9 हजार रुपये से शुरू होकर 2 लाख 60 हजार रुपये तक पहुंच जाता है। वहीं, ब्रिज पोला जवाई लग्जरी जंगल कैंप में भी अक्टूबर से ही

कीमतें बढ़ने लगती हैं। प्राइवेट पूल और लग्जरी सुविधाओं वाले इस कैंप में एक रात का शुरुआती किराया 1 लाख 9 हजार रुपये है। पर्यटन सीजन और बढ़ती मांग के साथ यहां ठहरना आम पर्यटकों के लिए काफी महंगा साबित हो सकता है।



'बिग बॉस 19' में लोगो की साइकोलॉजी समझना था सबसे बड़ा चैलेंज : फरहाना भट्ट

मुंबई। बिग बॉस 19 में रनर-अप रहीं अभिनेत्री फरहाना भट्ट हाल ही में सोशल मीडिया पर्सनैलिटी अभिषेक मल्हन (फुकरा इंसान) के साथ नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' पर गई थीं। शो में हुई बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने 'बिग बॉस' में लोगो की साइकोलॉजी को समझने और अचानक आने वाली स्थितियों से निपटने की चुनौतियों के बारे में बात की।

बिना प्लान के हर परिस्थिति का किया सामना

'बिग बॉस 19' में अपने समय के बारे में बात करते हुए फरहाना ने बताया, "यह अनुभव उनके लिए चुनौतीपूर्ण था, खासकर इसलिए क्योंकि उन्होंने पहले कभी इस तरह का शो न तो देखा था और न ही अनुभव किया था। उन्होंने कहा, "कश्मीर से आने के कारण, मेरे लिए लोगो, उनकी सोच और आसपास जो हो रहा है उसे समझना काफी चुनौतीपूर्ण था। मैंने पहले कभी भी इस तरह का शो न तो देखा था और न ही किया था। इसलिए मुझे सच में नहीं पता था कि मुझे क्या करना है। इसलिए मैं, बिना प्लान के हर परिस्थिति का सामना बस करती गई।

रिश्ते और विवाद रहे चर्चा में

एक्ट्रेस फरहाना भट्ट का 'बिग बॉस 19' का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा और चर्चाओं में रहा था। शो के दौरान अमाल मलिक, नेहल चुडासमा और कुनिाव सदानंद के साथ उनके रिश्ते काफी चर्चित रहे थे। कभी गहरी दोस्ती, तो कभी तीखी नोकझोंक देखने को मिली थी। कड़े मुकाबले और कई विवादों का सामना करते हुए फरहाना 'बिग बॉस 19' की फर्स्ट रनर-अप बनीं और अभिनेता गौरव खन्ना ने 'बिग बॉस 19' की ट्रॉफी अपने नाम की थी।



“मुझे नहीं पता था कि स्क्रीन पर मुझे किस तरह से दिखाया जा रहा है या मुझे दर्शक किस तरह से देख रहे हैं। बिना किसी तय प्लान के जाने से बिग बॉस में मेरा सफर और भी ज्यादा मुश्किल हो गया था।

— फरहाना भट्ट

पहले हफ्ते में ही घर से निकाला

फरहाना ने बताया, "पहले हफ्ते में ही लोगो ने मिलकर मुझे घर से निकाल दिया था और मुझे सीक्रेट रूम में रखा गया था, घर के अंदर के लोगो के लिए मेरा गुस्सा दोगुना हो गया था। क्योंकि मुझे लगा कि घर के अंदर रहने का मेरा यही तरीका है, क्योंकि बाहर से मैं किसी को भी नहीं जानती थी।"



‘तुम मेरे हो’ से प्रोड्यूसर बनीं देबीना, बोली-आइडिया गुरमीत का था मैंने सिर्फ साथ दिया



विश्व केसरी। मुंबई। अभिनेत्री देबीना बनर्जी आगामी रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'तुम मेरे हो' के जरिए फिल्म निर्माता के तौर पर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि

फिल्म बनाने का आइडिया उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी का था, उन्होंने बस उनका साथ दिया है।

दरअसल, अभिनेत्री ने पति गुरमीत चौधरी के साथ मिलकर

अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस 'देवगुरु फिल्मस्' शुरू किया है और इस बैनर तले पहली फिल्म 'तुम मेरे हो' रिलीज होने जा रही है।

मीडिया के साथ बातचीत में अभिनेत्री देबीना बनर्जी ने बताया कि उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी अपने हिसाब से फिल्में करना चाहते थे, और इसी वजह से उन्होंने खुद की फिल्में बनाने का फैसला लिया।

उन्होंने कहा, "फिल्म बनाने का आइडिया गुरमीत के दिमाग में आया था। मैं बस उसे देख रही थी और वह काफी बेचैन था, क्योंकि वह जानता था कि उसे किस तरह की फिल्म करनी है। वह एक रोमांटिक हीरो है, लेकिन जब भी उसे ओटीटी या कहीं और काम मिल रहा था, तो उसमें काफी एक्शन होता था। गुरमीत को एक्शन भी पसंद है, लेकिन उसका एक खूबसूरत रोमांटिक साइड भी है। उसकी आंखें, उसका चेहरा सब कुछ बोलता है। इसलिए उसे लगा

कि जिस तरह की स्क्रिप्ट वह ढूंढ रहा था, वह उसे नहीं मिल रही थी। जब आपको वह नहीं मिलता जो आप चाहते हैं, तो बहुत कम लोगो में इसे अपने लिए बनाने की हिम्मत होती है। अभिनेत्री ने आगे और लोकेशन समेत हर छोटी-बड़ी चीज का ध्यान रखना होता है।

उन्होंने आगे कहा, "आप कभी यह नहीं कह सकते कि नहीं, यह प्रोड्यूसर का काम नहीं है। एक प्रोड्यूसर के तौर पर आपको अलग-अलग डिपार्टमेंट, अलग-अलग चीजें संभालनी पड़ती हैं, लेकिन जब भी कोई गड़बड़ होती है, तो आपको ही आगे आकर उसे सुलझाना पड़ता है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक्टिंग फिल्ममेकिंग एक ऐसा

फेज हैं, जहां आप बस अपनी चीजों का ध्यान रखते हैं और अपना काम काम करके निकल जाते हैं, लेकिन एक प्रोड्यूसर के तौर पर, आपको स्क्रिप्ट, सबके शेड्यूल, डेट्स, कॉस्ट्यूम्स, बजट और लोकेशन समेत हर छोटी-बड़ी चीज का ध्यान रखना होता है।

उन्होंने आगे कहा, 'आप कभी यह नहीं कह सकते कि नहीं, यह प्रोड्यूसर का काम नहीं है। एक प्रोड्यूसर के तौर पर आपको अलग-अलग डिपार्टमेंट, अलग-अलग चीजें संभालनी पड़ती हैं, लेकिन जब भी कोई गड़बड़ होती है, तो आपको ही आगे आकर उसे सुलझाना पड़ता है।

‘मेरे को-एक्टर्स पर ज्यादा जिम्मेदारी थी’, ‘हुंकार-द रोर’ की शूटिंग पर जोया हुसैन का खुलासा

विश्व केसरी। मुंबई। एक्ट्रेस जोया हुसैन इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई स्ट्रीमिंग सीरीज 'हुंकार-द रोर' को मिल रहे पॉजिटिव रिव्यूज को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में काम को लेकर उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट में उनके को-एक्टर्स के मुकाबले उन पर कम जिम्मेदारी थी, इसलिए उनके लिए किरदार से खुद को अलग करना आसान रहा।

जोया हुसैन ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, "इस प्रोजेक्ट में मेरे लिए अपने किरदार में जाना और उससे बाहर निकलना मुश्किल नहीं था। कम से कम मेरे लिए यह मेरे को-एक्टर्स के मुकाबले काफी आसान था, क्योंकि मेरे ऊपर उतनी जिम्मेदारी का बोझ नहीं था। उन्हें मुझसे कहीं ज्यादा काम करना था।"

जोया ने कहा, "हालांकि, हर प्रोजेक्ट में ऐसा नहीं होता। किसी किरदार से बाहर निकलना इस बात पर निर्भर करता है कि उसका इमोशनल असर कितना गहरा है और उस दिन की शूटिंग कैसी रही। कभी-कभी किरदार बहुत गंभीर और भावनात्मक रूप से भारी होता है, लेकिन अगर दिन हल्का रहा हो, तो उसे पीछे छोड़ना आसान हो जाता है। यह पूरी तरह हर कलाकार के अनुभव और परिस्थिति पर निर्भर करता है।"

जोया हुसैन ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी अपनी बात



रखी। उन्होंने कहा, "इस मामले में कई स्तरों पर गलतियां हुई हैं और महिलाओं की सुरक्षा की समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में देखने को मिलती है। कहीं भी ऐसी कोई जगह नहीं है, जिसके बारे में पूरे भरोसे के साथ कहा जा सके कि वह महिलाओं के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। यह समस्या अलग-अलग क्षेत्रों, पेशों, देशों और सामाजिक वर्गों में देखने को मिलती है।"

एक्ट्रेस ने कहा, "पिछले 50, 60, 70 और 100 सालों में

महिलाओं की स्थिति में बदलाव जरूर आया है। आज महिलाओं के पास पहले के मुकाबले ज्यादा अधिकार हैं और उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर मौके भी मिल रहे हैं। इसके बावजूद हालात अभी आदर्श नहीं हैं और महिलाओं की सुरक्षा के मामले में काफी कुछ किया जाना बाकी है।"

'हुंकार-द रोर' में जोया हुसैन के साथ फातिमा सना शेख और रघुवीर यादव भी अहम किरदारों में हैं। सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम है।

‘दबाव तब बढ़ता है, जब उम्मीदें ज्यादा होती हैं’, रणवीर बरार ने बताया कैसे करते हैं प्रेशर का सामना



विश्व केसरी। मुंबई। सेलिब्रिटी शेफ और एक्टर रणवीर बरार इन दिनों अपने क्विज शो 'यस शेफ' को लेकर चर्चा में हैं। एक प्रोफेशनल शेफ के तौर पर वह लंबे समय से ऐसे माहौल में काम करते आए हैं, जहां तेजी से काम करना और मुश्किल हालात के बीच खुद को शांत रखना जरूरी होता है।

रणवीर का कहना है कि किचन में काम करने के अनुभव ने उन्हें दबाव से निपटना सिखाया है। जब इंसान यह समझ लेता है कि हर चीज उसके कंट्रोल में नहीं है, तो वह दबाव को बेहतर तरीके से संभाल सकता है।

मीडिया ने जब पूछा कि शेफ की ज़िंदगी में प्रेशर कितना आम है, तो रणवीर बरार ने जवाब देते हुए कहा, "शेफ के तौर पर हमें दबाव की आदत हो जाती है। हमारा माहौल प्रेशर कुकर जैसा होता है। 'द ट्रेडर्स' में भी लोगो ने मुझसे कहा था कि इतने सारे लोग रो रहे हैं, लेकिन आपको कोई फर्क नहीं पड़ रहा। आप इतने शांत कैसे रह सकते हैं?"

रणवीर ने आगे कहा, "एक बड़े किचन में करीब 600 कुक एक साथ काम कर रहे होते हैं। कोई इधर भाग रहा होता है, तो कोई उधर। ऐसे में अगर मैं भी बाकी लोगो की तरह भागने लगूं, तो काम

ठीक से नहीं हो पाएगा। शेफ के तौर पर काम करने से मैंने सीखा है कि मुश्किल हालात में घबराने के बजाय शांत रहना ज्यादा जरूरी है।"

उन्होंने कहा, "दबाव से निपटने का एक हिस्सा अनुभव से आता है, जबकि दूसरा हिस्सा इस बात को समझने से जुड़ा है कि हर चीज हमारे हाथ में नहीं होती। जब इंसान हर चीज को कंट्रोल करने की कोशिश छोड़ देता है, तो उसका दबाव भी कम होने लगता है।"

रणवीर ने अपने उस्ताद से मिली सीख का जिक्र करते हुए कहा, "मेरे उस्ताद ने मुझे सिखाया था कि खाना बनाना मूल रूप से आग जलाने जैसा है, जिसमें इंसान सिर्फ मदद करता है। ऐसे में अगर कोई खुद को आग या खाने से ज्यादा बड़ा समझने लगे, तो वह बेवजह अपने ऊपर दबाव बढ़ा लेता है।"

रणवीर ने कहा, "सबसे बड़ा दबाव उम्मीदों का होता है। जब हम अपने दिमाग में खुद को बहुत बड़ा बना लेते हैं, तो दबाव भी बढ़ जाता है। अगर हम अपने दिमाग में खुद को छोटा रखें, तो दबाव नहीं रहता।"

उन्होंने कहा, "कई बार मुश्किल हालात से ज्यादा हमारी अपनी उम्मीदें हमें परेशान करती हैं। जब हम हर काम में परफेक्ट होने या हर चीज अपने हिसाब से करने की कोशिश करते हैं।

टिवशा शर्मा डेथ केस : सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल की अदालत में सुनवाई पर लगाई रोक, सीबीआई और आरोपियों को नोटिस

विश्व केसरी।

नई दिल्ली। पूर्व मॉडल और अभिनेत्री टिवशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम कदम उठाया है। टिवशा के पिता की ओर से मामले की सुनवाई भोपाल से दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग वाली याचिका पर शीर्ष अदालत ने सीबीआई, गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल की निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है।

टिवशा के पिता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए मांग की है कि मामले की सुनवाई भोपाल के बजाय दिल्ली में कराई जाए। याचिका पर अदालत ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। वहीं, निचली अदालत की सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी।

दरअसल, भोपाल में टिवशा शर्मा की मौत के मामले ने उस समय तूल पकड़ा, जब उनके परिवार ने घटना को लेकर सवाल



उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की। टिवशा के जरिए हुई थी और दोनों की शादी दिसंबर 2025 में हुई थी। वह 12 मई को भोपाल स्थित अपने ससुराल में मृत पाई गई थीं।

उनकी मौत के बाद मायके वालों ने टिवशा के पति और ससुराल पक्ष के लोगो

मुलाकात समर्थ सिंह से मैट्रिमोनियल साइट के जरिए हुई थी और दोनों की शादी दिसंबर 2025 में हुई थी। वह 12 मई को भोपाल स्थित अपने ससुराल में मृत पाई गई थीं।

उनकी मौत के बाद मायके वालों ने टिवशा के पति और ससुराल पक्ष के लोगो

पर दहेज उत्पीड़न और गंभीर मानसिक यातना देने का आरोप लगाया। टिवशा के पिता नवनिधि शर्मा ने दावा किया था कि पति समर्थ का व्यवहार शादी से पहले ही ठीक नहीं था और हनीमून के दौरान भी उनकी बेटी के साथ बुरा बर्ताव हुआ था। वहीं, सास और पूर्व जज गिरिबाला सिंह भी दहेज के लिए उसे परेशान करती थी।

टिवशा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके सिर, कान और हाथ पर चोट के निशानों की पुष्टि हुई थी। ये चोटों मौत से पहले लगी थीं। मामले में पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार किया गया। वहीं, अपनी जमानत याचिका में गिरिबाला ने बहू पर गंभीर आरोप लगाए। आवेदन में दावा किया गया कि उसे ड्रस की लत थी और नशा नहीं मिलने पर उसका व्यवहार असामान्य हो जाता था।

वहीं, टिवशा के भाई हर्षित शर्मा ने बताया कि टिवशा बहुत परेशान थी और उसने अपनी बेबसी जाहिर करते हुए नोएडा वापस आने की इच्छा जाहिर की थी।

भारत और रूस के बीच संयुक्त नौसैनिक अभ्यास ‘इंद्र’ के समुद्री चरण की तैयारियां पूरी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत और रूस के बीच संयुक्त नौसैनिक अभ्यास इंद्र का समुद्री चरण शुरू होने जा रहा है। रूस में हो रहे इस अभ्यास के समुद्री चरण की तैयारियां पूरी हो गई हैं। यह अभ्यास 18 अक्टूबर तक जारी रहेगा। इसके लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएएस सद्माद्रि और रूसी नौसेना के युद्धपोत अल्वार त्सिदेनझापोव की संचालन टीमों के बीच योजना सम्मेलन आयोजित किया गया।

इसमें रूसी बेड़े के वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारियों ने भी भाग लिया। यहां समुद्री अभ्यास के लिए व्यापक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच समुद्र में होने वाली गतिविधियों की योजना पर चर्चा हुई। समुद्री अभ्यास से पहले दोनों देशों की नौसेना ने बंदरगाह में आयोजित अभ्यास का पहला चरण पूरा किया है। इसका उद्देश्य आगामी समुद्री गतिविधियों के लिए दोनों पक्षों के बीच समन्वय स्थापित करना था।



इस बंदरगाह यात्रा के दौरान आईएएस सद्माद्रि के प्रतिनिधिमंडल ने रूसी बेड़े की मिश्रित सेनाओं के प्रिमोर्सकी फ्लोटिला के कमांडर वाइस एडमिरल ए. वाई. सिसुएव के साथ औपचारिक बैठक भी की। भारत और रूस की मजबूत दोस्ती को और आगे बढ़ाते हुए 13 अक्टूबर से यह अभियान शुरू हुआ था। इस अभ्यास के दौरान भारत-रूस की

दोनों देशों के बीच बंदरगाह से समुद्र तक तालमेल स्थापित किया जा रहा है।

‘इंद्र-2026’ के तहत दो अलग-अलग चरण आयोजित किए जा रहे हैं। पहले चरण में बंदरगाह पर विभिन्न गतिविधियां हुईं। इस दौरान पेशेवर बातचीत और समुद्री गतिविधियों के माध्यम से दोनों नौसेनाओं ने अपने अनुभव साझा किए। इससे संयुक्त अभियानों के दौरान बेहतर तालमेल बनाने में मदद मिली। इसके बाद अब दोनों देशों की नौसेनाएं समुद्र में मिलकर अभ्यास करने जा रही हैं।

गौरतलब है कि बीते दिनों भारत और रूस के बीच नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण वार्ता हुई थी। यह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गति देने की दिशा में एक अहम बैठक थी। बैठक में दोनों देशों ने मौजूदा सैन्य-तकनीकी सहयोग की समीक्षा की गई। इसके साथ-साथ रक्षा उपकरणों के संयुक्त उत्पादन और संयुक्त विकास की नई संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

खाड़ी क्षेत्र में तनाव का बातचीत और कूटनीति ही समाधान: पी. हरीश

विश्व केसरी■
संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर पूरे खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष को तुरंत रोकने की अपील की है। भारत का कहना है कि बढ़ता तनाव न केवल क्षेत्र की स्थिरता को प्रभावित कर रहा है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था और वहां रहने वाले लाखों भारतीयों पर भी इसका असर पड़ रहा है।



संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मध्य पूर्व की स्थिति पर आयोजित तिमाही खुली बहस के दौरान कहा कि मौजूदा संघर्ष को तुरंत कम किया जाना चाहिए और इसका समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए निकाला जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ‘मध्य पूर्व की सुरक्षा, स्थिरता और शांति में भारत की बहुत बड़ी हिस्सेदारी है। इस क्षेत्र के साथ हमारे राजनीतिक,

आर्थिक, निवेश, ऊर्जा और लोगों के आपसी संबंध बेहद मजबूत हैं। हरीश ने बताया कि केवल गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के छह देशों के साथ ही भारत का सालाना व्यापार करीब 180 अरब डॉलर का है। इसके अलावा इन देशों से 31 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है और वहां से भारत आने वाली सालाना रেমिटेंस (विदेश से भेजी जाने वाली रकम) 52 अरब डॉलर से अधिक है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में रहने वाले करीब एक करोड़ भारतीयों की सुरक्षा, सलामती और भलाई भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह दोनों पक्षों के रिश्तों का अहम हिस्सा है। भारत के लिए समुद्री मार्गों और नाविकों की सुरक्षा भी प्राथमिकता है। व्यावसायिक जहाजों और नाविकों पर होने वाले सभी हमले कानूनी और नैतिक रूप से गलत हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में नौबहन की स्वतंत्रता और समुद्री व्यापार का सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबर

रूस में भूकंप के जबरदस्त झटके, रिक्टर स्केल पर 6.9 दर्ज की गई तीव्रता

विश्व केसरी■
मॉस्को। रूस के कामचटका प्रायद्वीप क्षेत्र में शुक्रवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रूस की विज्ञान अकादमी की भूभौतिकी सेवा की काचचटका शाखा के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.9 दर्ज की गई। भूकंप के कारण हुए नुकसान या हाताहतों के बारे में फिलहाल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के हवाले से समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि शुक्रवार को 03:35 (२:थानीय समयानुसार) पर रूस के ओजनीव्स्की से 76 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र 143.2 किलोमीटर की गहराई पर था और शुरुआती आकलन के अनुसार यह 52.01 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 157.25 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। रूसी समाचार एजेंसी ‘टास’ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप के झटके महसूस होने के बाद क्षेत्रीय प्रशासनिक केंद्र के कई निवासी एहतियात के तौर पर अपने घरों और अपार्टमेंट से बाहर निकल आए। रिहायशी इमारतों के अंदर झूमर और लाइटें जोर-जोर से हिलने लगीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि भूकंप के झटके साफ तौर पर महसूस हुए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थानीय समयानुसार दोपहर 3:35 बजे आए ये झटके करीब एक मिनट तक जारी रहे।



फिटजी केस में ईडी की चार्जशीट दाखिल, 71.88 करोड़ की संपत्ति जब्त करने की मांग

विश्व केसरी■
लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल कार्यालय ने फिटजी लिमिटेड और उसके डायरेक्टर्स दिनेश कुमार गोयल व मोनिला गोयल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में चार्जशीट दाखिल की है। ईडी ने शुक्रवार को गाजियाबाद की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में अभियोजन शिकायत दायर की है और जांच के दौरान जब्त और अस्थायी रूप से कुर्क की गई 71.88 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने और दोषसिद्धि की मांग की है। ईडी की जांच यूपी पुलिस द्वारा नोएडा और ग्रेटर नोएडा में और मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा भोपाल में दर्ज चार एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। एफआईआर में आरोप है कि फिटजी ने जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए दो से चार साल के कोचिंग प्रोग्राम के लिए प्रति छात्र 2.8 लाख से 3.5 लाख रुपये तक की फीस एक्वायर्स में ली थी, यह भरोसा देकर कि पूरी कोर्स कराया जाएगा। लेकिन वेतन न मिलने के कारण फैकल्टी चली गई और बिना किसी पूर्व सूचना के सेंटर अचानक बंद कर दिए गए। आरोप यह भी है कि मैनेजमेंट ने फीस का डायवर्जन किया और फैकल्टी के जाने के बाद भी झूठे आश्वासन देकर नए छात्रों से फीस वसूलना जारी रखा। नोएडा पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें दिनेश कुमार गोयल और मोनिला गोयल को आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट करीब 300 पीडिंटों, फिटजी कोचिंग सेंटर के ऑपरेटर्स और अन्य गवाहों के बयानों के साथ-साथ फीस रसीदों और जांच में मिले अन्य सबूतों पर आधारित है।



यूपी में नारी शक्ति का जल संकल्प, 5 लाख महिलाओं ने की 1.43 करोड़ जल नमूनों की जांच

विश्व केसरी■
लखनऊ। नवरात्र में नारी शक्ति के सामर्थ्य और संकल्प की चर्चा के बीच उत्तर प्रदेश के गांवों में महिलाएं हर घर तक पहुंच रहे पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। जल जीवन मिशन के तहत प्रशिक्षित करीब पांच लाख महिलाएं फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के माध्यम से पानी की शुद्धता की जांच कर रही हैं।

सुजलाम शक्ति समूह के रूप में संगठित ये महिलाएं गांव-गांव में पेयजल की गुणवत्ता पर नजर रखने के साथ ग्रामीणों को सुरक्षित पानी के उपयोग और जल संरक्षण के प्रति



लाख महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के माध्यम से पेयजल गुणवत्ता जांच का प्रशिक्षण दिया गया है।

जल जीवन मिशन 1.0 में प्रत्येक राजस्व गांव से पांच महिलाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया था। अब यही प्रशिक्षित महिलाएं जल जीवन मिशन 2.0 के तहत सुजलाम शक्ति समूह के रूप में गांवों में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी कर रही हैं। एफटीके के जरिए जल गुणवत्ता जांच का बड़ा नेटवर्क तैयार हुआ है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक कुल 1,43,21,260 जल नमूनों का परीक्षण किया गया है।

जेलेन्स्की और मैक्रों की वार्ता में यूक्रेन को हर जरूरी मदद देने का वादा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की से वार्ता की। उन्होंने शांति हासिल करने की यूक्रेन की कोशिश को समर्थन देते रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि रूस मोर्चे पर फंस गया है और तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, ऐसे में फ्रांस यूक्रेन की रक्षा और स्थायी शांति के प्रयासों में साथ खड़ा रहेगा।

राष्ट्रपति इमैनुएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट में लिखा, ‘रात मैंने राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की से दोबारा बात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि फ्रांस यूक्रेन और वहां के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। रूस ने मोर्चे पर आ रही मुश्किलों के बीच हालात को और गंभीर बनाने का रास्ता चुना है। ऐसे समय में यह बेहद जरूरी है कि हम सभी मिलकर यूक्रेन को अपनी रक्षा करने और अपने नागरिकों तथा जरूरी बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए हर जरूरी मदद और संसाधन उपलब्ध कराएं।’



उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, ‘मैंने यह भी दोहराया कि फ्रांस यूक्रेन को एक मजबूत और स्थायी शांति हासिल करने की उसकी कोशिश में लगातार समर्थन देता रहेगा। फ्रांस अपनी जिम्मेदारियां निभाता रहेगा और यूक्रेन के साथ खड़ा रहेगा।’

राष्ट्रपति जेलेन्स्की ने इमैनुएल मैक्रों के साथ बातचीत को महत्वपूर्ण बताया। जेलेन्स्की ने कहा कि हम इस बात की सराहना करते हैं कि रूस की बढ़ती आक्रामकता का समाधान खोजने के लिए फ्रांस अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है। उन्होंने ‘एक्स’ पोस्ट में लिखा, ‘हमारी बैठक के दौरान ही रूस ने तुल्स्क में यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर एक और ड्रोन हमला किया।

इस हमले के कारण शहर में बिजली गुल हो गई। दुर्भाग्य से, हाल के दिनों में रूस की ओर से इस तरह के लगातार और खुलेआम किए गए हमले लगभग बिना रुके जारी हैं।’

जेलेन्स्की ने कहा कि रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति के उस प्रस्ताव को भी नजरअंदाज कर दिया है, जिसमें ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने और संघर्षविराम का आह्वान किया गया था।

झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा के पहिए थमे, चालक और कर्मचारी 40 घंटे की हड़ताल पर

विश्व केसरी■
रांची। झारखंड में 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा से जुड़े चालकों और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियनों का आंदोलन तेज हो गया है। लंबित वेतन के भुगतान, बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली और अन्य मांगों को लेकर कर्मचारियों ने गुरुवार रात आठ बजे से 40 घंटे की सांकेतिक कार्यबंदी शुरू की है। यह शनिवार, 17 अक्टूबर की सुबह आठ बजे तक जारी रहेगी।

इस बीच, कर्मचारी शुक्रवार को रांची के नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारियों संघ के अनुसार, कर्मचारियों का जुलाई 2026 से वेतन बकाया है। भुगतान में देरी के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का



सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारी बर्खास्त या सेवा से हटाए गए कर्मियों की बहाली, श्रम विभाग के निर्धारित न्यूनतम वेतन, ईपीएफ और ईएसआई जैसी वैधानिक सुविधाओं, ओवरटाइम भुगतान तथा नौकरी की सुरक्षा की मांग भी कर रहे हैं।

कर्मचारी संघ की मांग है कि 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन निजी एजेंसियों के बजाय जिला स्तर पर सिविल सर्जन के माध्यम से किया जाए और वेतन का भुगतान सिधे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन करे।

कर्नाटक: अंबेडकर विकास निगम में 14.95 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप

विश्व केसरी■
बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता आर. अशोक ने शुक्रवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर विकास निगम (एडीसीएल) में वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए निर्धारित 14.95 करोड़ रुपये की राशि फर्जी बैंक खातों, जाली दस्तावेजों और समय से पहले सावधि जमा (एफडी) बंद करारक कथित तौर पर हड़प ली गई।

एक बयान में अशोक ने महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित धोखाले का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि तज्ञ मामला कर्नाटक सरकार के तहत वित्तीय धोखाधड़ी की एक और घटना को उजागर करता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की



14 अक्टूबर की प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अंबेडकर विकास निगम की राशि को फर्जी लेनदेन के जरिए दूसरी जगह भेजा गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाते हुए अशोक ने पूछा कि क्या इस तरह की कथित वित्तीय अनियमितताएं उनके ‘न्याय’ के विचार के अनुरूप हैं।

अशोक ने आरोप लगाया, ‘राहुल गांधी राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक न्याय की बात करते हैं,

जबकि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए निर्धारित धन के कथित दुरुपयोग के आरोप लग रहे हैं।’ उन्होंने कथित तौर पर सार्वजनिक धन और वंचित समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित राशि के गबन पर कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। भाजपा नेता ने कहा कि उनकी पार्टी जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग जारी रखेगी और कथित धोखालों में शामिल लोगों को न्याय के कटघरे में लाने तक पीछे नहीं हटेगी।

भारतीय नौसेना का ‘समर्थक’, स्वदेशी हथियारों, सेंसर्स और मानवरहित प्रणालियों का होगा परीक्षण

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को उसका पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय युद्धपोत ‘समर्थक’ मिल गया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को इसे नौसेना में शामिल किया। यह युद्धपोत नए हथियारों, सेंसर और मानवरहित प्रणालियों के परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसकी एक खास बात यह है कि इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है।

कर्नाटक के कारवार में ‘समर्थक’ को नौसेना में शामिल किया गया। इसका निर्माण लार्सन

एंड टुब्रो के पोत निर्माण केंद्र में किया गया है। यह किसी भारतीय निजी पोत निर्माण केंद्र द्वारा प्रगति को दर्शाता है। ‘समर्थक’ रूप में तैयार किया गया है जो विभिन्न प्रकार के परीक्षण और

मूल्यांकन कर सके। देश में विकसित नए हथियारों और संवेदकों को नौसेना में इस्तेमाल करने से पहले उनके परीक्षण में यह पोत मदद करेगा। स्वदेशी उद्योग द्वारा विकसित प्रणालियों के परीक्षण और प्रशिक्षण के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकेगा।

समुद्र में बदलती परिस्थितियों और नए तरह के खतरों के बीच इस पोत की उपयोगिता बढ़ जाती है। इसकी बहुउद्देशीय क्षमता नौसेना को अलग-अलग अभियानों और तकनीकी जरूरतों के अनुरूप

काम करने में मदद करेगी। इससे स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास और उनके परीक्षण के लिए भी एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा।

‘समर्थक’ नाम का अर्थ है किसी कार्य को आगे बढ़ाने वाला या समर्थन देने वाला। नौसेना के मुताबिक, पोत को इसी भावना के अनुरूप कई तरह के समुद्री कार्यों के लिए तैयार किया गया है। यह समुद्री निगरानी और टोह लेने, तटीय क्षेत्रों से दूर समुद्र में गश्त करने तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों में हिस्सा लेने में सक्षम है।

शूटिंग में लड़कियां अच्छा कर रही हैं, आगे और भी मेडल आने की उम्मीद: राजजा दिल्ली

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा राजधानी में ‘खेल महाकुंभ 2026’ के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें एशियन गेम्स 2026 के पदक विजेताओं ने हिस्सा लिया। एशियन गेम्स 2026 में महिला स्कोट टीम स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली निशानेबाज

रायजा दिल्ली मानती हैं कि शूटिंग में लड़कियां भी अच्छा कर रही हैं, उन्हें उम्मीद है कि इस खेल में आगे और भी मेडल आएंगे। इसके साथ ही शूटर ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य इंटरनेशनल वर्ल्ड कप और वर्ल्ड चैंपियनशिप है। ‘खेल महाकुंभ 2026’ स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में शूटर राजजा दिल्ली ने आईएनएस से कहा, ‘एशियन गेम्स में

हमारा यह मेडल ऐतिहासिक था। हमने कभी स्कोट विमेंस में मेडल नहीं जीता था, तो यह हमारे लिए काफी गर्व की बात है, पूरे देश के लिए गर्व की बात है। इस खेल में काफी गुंजाइश है। भारतीय शूटर्स काफी अच्छा कर रहे हैं। इस खेल में लड़कियां भी अच्छा कर रही हैं। एशियन गेम्स में शॉटगन में भी बहुत अब हमारा मेडल आया है, उम्मीद है कि आगे और भी

मेडल आएंगे। अपने लक्ष्य से न भटके। अपना एक अच्छा रूटीन बनाएं, अच्छी कोचिंग लें और अपनी तकनीक पर फोकस करें। भविष्य में हमारे दो-तीन इंटरनेशनल वर्ल्ड कप, वर्ल्ड चैंपियनशिप्स होंगे, जिसको तैयारी कर रहे हैं। भारतीय सेलर (नाविक) नेत्रा कुमानन ने कहा, मैं दिल्ली खेल महाकुंभ

2026 के पहले सेशन में मौजूद थी, जहां तीन एथलीट्स ने अपने अनुभवों और अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए बताया कि खेल ने उनके जीवन में क्या बदलाव लाए हैं। खेल सच में आपका जीवन बदल सकता है। हर उम्र के लोगों को खेलों में हिस्सा लेना चाहिए। आज के कार्यक्रम से यह एक बहुत अच्छा संदेश मिला है।

अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप: कोमल ने जीता कांस्य, अमृता पुजारी फाइनल में पहुंचीं

विश्व केसरी

लास वेगास। भारतीय पहलवान कोमल ने शुक्रवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में महिलाओं की 59 किलोग्राम वर्ग कुश्ती स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में कजाकिस्तान की विक्टोरिया खुसैनोवा को 7-2 से हराया। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत कनाडाई पहलवान एला मैरी फाईडिंग को शिकस्त देकर की थी, जिसके बाद मोल्दोवा की मैडलिना प्रिसाकारी को 8-3 से हराया। हालांकि, उन्हें यूक्रेन की अलीना फिलिपोविच के खिलाफ 1-13 से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन, ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में कोमल ने शानदार वापसी करते हुए देश के लिए

रायजा दिल्ली मानती हैं कि शूटिंग में लड़कियां भी अच्छा कर रही हैं, उन्हें उम्मीद है कि इस खेल में आगे और भी मेडल आएंगे। इसके साथ ही शूटर ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य इंटरनेशनल वर्ल्ड कप और वर्ल्ड चैंपियनशिप है। ‘खेल महाकुंभ 2026’ स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में शूटर राजजा दिल्ली ने आईएनएस से कहा, ‘एशियन गेम्स में

कोमल ने शुक्रवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में महिलाओं की 59 किलोग्राम वर्ग कुश्ती स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में कजाकिस्तान की विक्टोरिया खुसैनोवा को 7-2 से हराया। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत कनाडाई पहलवान एला मैरी फाईडिंग को शिकस्त देकर की थी, जिसके बाद मोल्दोवा की मैडलिना प्रिसाकारी को 8-3 से हराया। हालांकि, उन्हें यूक्रेन की अलीना फिलिपोविच के खिलाफ 1-13 से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन, ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में कोमल ने शानदार वापसी करते हुए देश के लिए

दूसरी तरफ, अमृता पुजारी ने सेमीफाइनल में वेनर्जिन किउ को 7-2 से हराया। अमृता पुजारी ने सेमीफाइनल में वेनर्जिन किउ को 7-2 से हराया। अमृता पुजारी ने सेमीफाइनल में वेनर्जिन किउ को 7-2 से हराया। अमृता पुजारी ने सेमीफाइनल में वेनर्जिन किउ को 7-2 से हराया।

कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। दूसरी तरफ, अमृता पुजारी ने सेमीफाइनल में वेनर्जिन किउ को 7-2 से हराया।

से होगा। वहीं, स्वीटी (53 किलोग्राम) और वैष्णवी पाटिल (65 किलोग्राम) अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले हारने के बावजूद ‘रिपेचेज’ के जरिए ब्रॉन्ज मेडल की दौड़ में बनी हुई हैं। 53 किलोग्राम वर्ग में, स्वीटी को अपने क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टल रोड्रिगेज डोबलर के हाथों 2-11 से हार मिली। चूंकि, उनकी प्रतिद्वंद्वी फाइनल में पहुंच गई, इसलिए स्वीटी को ‘रिपेचेज’ के जरिए अपना अभियान जारी रखने का मौका मिल गया। वहीं, वैष्णवी पाटिल का सामना जापान की हारुका कोबारा से होगा। इससे पहले, उन्हें अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रूस की एकातेरिना कोशकिना से

शंघाई मास्टर्स: जोडार ने रूड को हराकर रचा इतिहास, सबसे युवा सेमीफाइनलिस्ट बने

विश्व केसरी

शंघाई। 19 वर्षीय राफेल जोडार ने शुक्रवार को कैस्पेर रूड को 2 घंटे 20 मिनट तक चले मुकाबले में 4-6, 6-4, 6-3 से मात देकर एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में जीत हासिल की। इसके साथ जोडार दूर्तामेंट के इतिहास सबसे युवा सेमीफाइनलिस्ट बन गए। इस जीत से, एटीपी टूर पर

रायजा दिल्ली मानती हैं कि शूटिंग में लड़कियां भी अच्छा कर रही हैं, उन्हें उम्मीद है कि इस खेल में आगे और भी मेडल आएंगे। इसके साथ ही शूटर ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य इंटरनेशनल वर्ल्ड कप और वर्ल्ड चैंपियनशिप है। ‘खेल महाकुंभ 2026’ स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में शूटर राजजा दिल्ली ने आईएनएस से कहा, ‘एशियन गेम्स में

अपने पहले पूरे सीजन में खेल रहे जोडार ने एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को भी मजबूत कर लिया है। स्पेन के इस खिलाड़ी ने ‘एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन’ में नोवाक जोकोविच और एलेक्स डी मिनीर को पछाड़ते हुए नौवां स्थान हासिल कर लिया है। रूड ने 10वें गेम में सर्विस

ब्रेक करके पहला सेट अपने नाम किया, और फिर दूसरे सेट में भी ब्रेक हासिल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद जोडार ने धीरे-धीरे मैच पर अपना दबदबा बनाना शुरू कर दिया। 5-4 से सर्विस ब्रेक करने और फिर दूसरे सेट को बिना कोई अंक गंवाए (लव पर) जीतने के बाद, जोडार ने निर्णायक सेट में रूड की सर्विस को तीन बार तोड़ा। उन्होंने वर्ल्ड नंबर 24 खिलाड़ी के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। जुलाई की शुरुआत से अब तक, टॉप-30 खिलाड़ियों के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 10-2 का हो गया है। अब स्पेन के इस खिलाड़ी का सामना चैंपियनशिप मैच में जगह बनाने के लिए डेनिल मेदवेदेव (जो लाइव रेस में उनसे ठीक ऊपर हैं) या टॉमी पॉल से होगा।

टॉप ऑर्डर में बदलाव के बिना वैभव सूर्यवंशी को मौका मिले: अभिषेक नायर

विश्व केसरी नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला शनिवार को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है। सीरीज 2-2 से बराबर पर है। ऐसे में यह मुकाबला निर्णायक है और दोनों टीमों इसे जीतकर ट्रॉफी अपने नाम करने की पूरी कोशिश करेंगी। भारतीय टीम मैनेजमेंट के सामने मैच जीतने के साथ-साथ यह भी चुनौती है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में मौका दें या न दें। सूर्यवंशी को पिछले 4 मैचों में एक भी मैच खेलने को नहीं मिला है। भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी को वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में मौका दिया जाए, लेकिन टॉप ऑर्डर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जाए। नायर ने गेंदबाजी में बदलाव की बात कही। अभिषेक नायर ने जियोहॉस्टर पर कहा, सूर्यवंशी के बारे में तभी सोचा जाना चाहिए जब भारत उन्हें ओपनर के तौर पर उनकी नैचुरल पोजीशन पर इस्तेमाल करने के लिए तैयार हो। उन्होंने कहा, ‘अगर वैभव सूर्यवंशी खेलते हैं, तो उन्हें उनकी सबसे मजबूत पोजीशन पर खेलना चाहिए, जो कि ओपनिंग है। अगर वह ओपनिंग करते हैं, तो जो नंबर 3 पर खेल रहा है, उसे अपनी सबसे मजबूत पोजीशन पर खेलना चाहिए। मैं वैभव सूर्यवंशी को बेंगलुरु में देखना चाहता हूँ, लेकिन मैं बॉलिंग में बदलाव करूंगा, बैटिंग में नहीं।

रणजी ट्रॉफी: यशस्वी जायसवाल मुंबई की टीम से बाहर, अंगकृष रघुवंशी को मिली जगह

विश्व केसरी मुंबई। मुंबई ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ होने वाले अपने दूसरे मुकाबले के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। मुंबई की टीम में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ बिलासपुर में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाले मैच के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। यशस्वी जायसवाल इस मैच का हिस्सा नहीं होंगे। दरअसल, यशस्वी को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है और भारत ए की तरफ से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलना है। न्यूजीलैंड में 24 अक्टूबर से इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने वाली है और यशस्वी तीन मैचों के लिए टीम इंडिया का हिस्सा हैं। यही वजह है कि वह रणजी ट्रॉफी के पहले मैच के बाद टीम से अलग हो गए। भारतीय सीनियर टीम को भी न्यूजीलैंड में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। यशस्वी इसका भी हिस्सा होंगे और इंडिया ए टीम के साथ खेलने के दौरान मिला अनुभव उनके लिए सीनियर टीम के मैचों के दौरान काम आएगा। यशस्वी की जगह युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी को मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। वहीं, सूर्याश शेडगे को भी मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। पहले मैच में टीम के उपकप्तान आयुष म्हात्रे को चोट लगी थी और उसी वजह से वह टीम का हिस्सा नहीं हैं। यशस्वी जायसवाल ने मुंबई की तरफ से मौजूदा रणजी सीजन का पहला मुकाबला चंडीगढ़ के खिलाफ खेला था। यह मैच वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था। मुंबई ने यह मुकाबला पारी और 155 रनों के बड़े अंतर से आसानी से जीता था, लेकिन यशस्वी का बल्ला इस मैच में नहीं चला था। वह अपनी एकमात्र पारी में बिना खाता खोले आउट हुए थे। हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले के लिए मुंबई की टीम: सिद्धेश लाड (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, सूर्याश शेडगे, दिव्यांश सक्सेना, सरफराज खान, मुशीर खान, सुवेद पारकर, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शम्भू मुलानी, तनुष कोटियान, अथर्व अंकोलेकर, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिस्सूजा और ओंकार तरमले।

रणजी ट्रॉफी: अरुणाचल प्रदेश की कप्तानी संभालेंगे नीलम ओबी

विश्व केसरी ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एआरसीए) में जारी प्रशासनिक संकट के कारण राज्य को अपना पहला मैच गंवाना (वॉकओवर देना) पड़ा था। अब बीसीसीआई की तरफ से नियुक्त तीन सदस्यीय चयन पैनल ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है, जिसमें नीलम ओबी को रणजी ट्रॉफी के अगले तीन मुकाबलों के लिए कप्तान बनाया गया है। कमशा यांगफो को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि असम के पूर्व क्रिकेटर सुजय तरफदार हेड कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। दिल्ली के लिए दो फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके सलिल मल्होत्रा ? ? को गेस्ट प्लेयर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। पैनल ने कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी के पहले तीन मैचों के लिए भी 15 सदस्यीय अंडर-23 टीम चुनी है, जिसमें लेकी त्सेरिंग कप्तान और टेची टाडो उप-कप्तान होंगे। यह चयन ऐसे समय में हुआ है जब अरुणाचल क्रिकेट एसोसिएशन (एआरसीए) में काफी उथल-पुथल चल रही है। एसोसिएशन के दो गुटों के बीच कानूनी विवाद के कारण गुवाहाटी हाई कोर्ट (ईटानगर बेंच) में मामला चल रहा था, जिस वजह से राज्य की टीम अहमदाबाद में नागालैंड के खिलाफ अपना पहला मैच नहीं खेल पाई। पिछले 17 वर्षों में रणजी ट्रॉफी में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम को अपना मैच गंवाना पड़ा हो। इसके अलावा, राज्य की टीम वीनू मांकड़ ट्रॉफी और अंडर-19 महिला टी20 ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं ले पाई थी। ऐसे में, मौजूदा घरेलू सीजन में खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने हस्तक्षेप किया और टीम चयन की प्रक्रिया को देखरेख की। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को ‘आईएनएस’ को बताया कि असम के पूर्व क्रिकेटर्स - सत्य गोपाल चक्रवर्ती, जयंत चौधरी और दीप बोराह की एक स्वतंत्र चयन समिति बनाई गई थी। सत्य गोपाल चक्रवर्ती को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इस समिति ने ईटानगर के दिल्ली पब्लिक स्कूल में खिलाड़ियों के ट्रायल लिए, ताकि रणजी ट्रॉफी, अंडर-23 कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी, सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी और विजय मचेंट ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जा सके। बीसीसीआई एपेक्स कार्डसिल के सदस्य एमके खैरल जमाल मजूमदार को इन ट्रायल्स और चयन प्रक्रिया का संयोजक नियुक्त किया गया था। अब टीमों के साथ,

अरुणाचल प्रदेश को मैदान के बाहर की अनिश्चितता को पीछे छोड़ने और बाकी घरेलू सीजन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर अपना ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद होगी। अरुणाचल प्रदेश की टीमें: रणजी ट्रॉफी: नीलम ओबी (कप्तान), कामशा यांगफो (उप-कप्तान), नबाम कामा, लिचा झोन, मायेन्गु सिंगपो, तेची डोरिया, बिकी कुमार, मिबोम मोसु, योरजुम सेरा, याब निया, नबाम टेम्पोल, तेची नेरी, लीखा सोनिया, नबाम डोल, सलिल मल्होत्रा (अतिथि खिलाड़ी)। स्टैंडबाय: नबाम टोर्, नबाम जोश, तेची सानिया, दरगे बागरा, शुहेल अख्तर अंसारी, पेंजोर मंगोल, तेची सोनम, अखिलेश साहनी, चंदन केआर सिंह, तेची टिकली, राकेश कुमार। अंडर-23 कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी: लेकी त्सेरिंग (कप्तान), तेची टाडो (उप-कप्तान), अमन पीसा, तकम जैकब, अमरजीत शर्मा, नबाम अबो, सोसर काकुम, राजेश रेबी, तेची डोल, नबाम इंडिया, पासांग नोरबू, शिव कुमार, गोलो आगा, लोली यांगफो, निनी मिबांग। स्टैंडबाय: गिम्बन चेडा, नबाम राम, नबाम रिकम, नबाम जेश, गेमार ताइपोइया, कबाम याकुप, योवा टोप्, नबाम रीकम, त्सेरिंग ताशी, चुबिंग चेगे।

वुहान ओपन: जेलेना ओस्टापेंको ने डायना श्नाइडर को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी वुहान। जेलेना ओस्टापेंको ने शुक्रवार को यहां डॉगफेंग वीया सेंटर कोर्ट में वुहान ओपन के पहले क्वार्टर फाइनल में डायना श्नाइडर को 7-6 (6), 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। ओस्टापेंको को एक्शन से भरे पहले सेट में दो सेट पॉइंट बचाने पड़े और दूसरे सेट में 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराकर एक घंटे 37 मिनट में जीत दर्ज करने से पहले ब्रेक डाउन से उबरना पड़ा। दोहा में आखिरी चार में पहुंचने के बाद, यह 2026 में डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में उनका दूसरा सेमीफाइनल है। 2017 के बाद वुहान में यह उनका दूसरा सेमीफाइनल भी है। लातविया की गैरवरीयता प्राप्त स्टार पहले सेट में 2-5 से पीछे थीं, क्योंकि उन्होंने एक महत्वपूर्ण छूटे गेम में अपनी सर्व गंवा दी थी। उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए स्कोर 3-5 किया, लेकिन उन्हें श्नाइडर की सर्विस तोड़नी पड़ी। इसके बाद ओस्टापेंको ने नौवें गेम में श्नाइडर की सर्विस पर एक सेट पॉइंट बचाया और फिर 10 मिनट के मैराथन गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए 5-5 से बराबरी कर ली। पहला सेट रोमांचक रहा, क्योंकि लातवियाई खिलाड़ी ने जोरदार विनर लगाए और टाई-ब्रेक 8-6 से जीत लिया। दूसरे सेट में ओस्टापेंको के लिए यह तुलनात्मक बरकरार रहा, क्योंकि उन्होंने एक ब्रेक की बहादुरी के साथ कुछ ही समय में 3-0 की बढ़त बना ली। यह जल्दी ही 5-1 हो गया, क्योंकि उन्होंने छठे गेम में रूसी खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और फिर अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए सिर्फ 29 मिनट में दूसरा सेट जीत लिया। उन्होंने मैच में 32 विनर लगाए, जबकि श्नाइडर ने आठ विनर लगाए। ओस्टापेंको ने सात ऐस भी लगाए, जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एक भी ऐस नहीं लगा पाई। ओस्टापेंको ने 30 अनफोर्स्ड एरर भी किए और सेमीफाइनल में उन्हें सावधान रहना होगा।

‘सैटेलाइट कम्युनिकेशन में प्रतिस्पर्धा का स्वागत है, भारत के कानून सभी पर समान रूप से लागू’: रिलायंस

विश्व केसरी ■
मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने शुक्रवार को कहा कि भारत में सैटेलाइट संचार क्षेत्र के लिए बनाए गए नियम घरेलू और विदेशी सभी कंपनियों पर समान रूप से लागू होते हैं। कंपनी की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब एलन मस्क ने स्टारलिनक को भारत में मंजूरी मिलने में आ रही नियामकीय बाधाओं को लेकर सवाल उठाए हैं।
एक बयान में रिलायंस ने कहा, ‘हम सैटेलाइट कम्युनिकेशन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का स्वागत करते हैं, जिसमें स्टारलिनक भी शामिल है।’
कंपनी ने कहा, ‘जियो सहित हर कंपनी को भारत के लोगों की सेवा करनी है और देश के कानूनों तथा नीतियों का पालन करना है।’
रिलायंस ने अपने बयान में कहा, ‘हाल के दिनों में रिलायंस और भारतीय बाजार को लेकर की गई टिप्पणियों के मद्देनजर हम तथ्यों को स्पष्ट करना चाहते हैं। हर भारतीय कंपनी की तरह रिलायंस भी ऐसे भारत में विकसित हुआ है, जो निवेश और नवाचार का स्वागत करता है, चाहे वह देश में विकसित हो या विदेश से आए, बशर्ते उससे लोगों के जीवन में सुधार हो।’
कंपनी ने आगे कहा कि यह खुलापन कानून के शासन पर आधारित है। ‘भारत सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह भारतीय और विदेशी, सभी आवेदकों के लिए समान प्रक्रिया अपनाती है। जियो की अपनी सैटेलाइट सेवाएं भी अभी विभिन्न मंजूरियों का इंतजार कर रही हैं।’
रिलायंस ने कहा कि उसने कभी प्रतिस्पर्धा से डर महसूस नहीं किया है। उसने कहा, ‘हम इसे इस बात की सबसे बड़ी परीक्षा मानते हैं कि ग्राहकों की बेहतर सेवा कौन दे सकता है। जियो ने भी वर्ष 2016 में भारत के अत्यंत प्रतिस्पर्धी दूरसंचार बाजार में एक नए खिलाड़ी के रूप में प्रवेश किया था, जब उसके पास एक भी ग्राहक नहीं था।’
कंपनी ने आगे बताया कि केवल 10 वर्षों में जियो ने 53 करोड़ से अधिक ग्राहकों का विश्वास जीता है और भारतीयों को दुनिया के सबसे बेहतर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सबसे किरायाती डेटा सेवाओं में से एक उपलब्ध कराई हैं।
उल्लेखनीय है कि स्टारलिनक को भारत में सैटेलाइट संचार सेवाएं उपलब्ध कराने का लाइसेंस

विश्व खाद्य दिवस

अन्न ही जीवन है
अन्न ही परब्रह्म है।

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। दुनिया में इतना अनाज पैदा होता है कि हर इंसान का पेट भरा जा सकता है, लेकिन इसके बावजूद करोड़ों लोग आज भी भूख का सामना कर रहे हैं। वहीं, बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो चाहकर भी पौष्टिक भोजन नहीं खरीद पाते। ऐसे में सवाल उठता है कि जब दुनिया में अनाज और खाद्य पदार्थों की कमी नहीं है, तो आखिर हर व्यक्ति की थाली तक पौष्टिक भोजन क्यों नहीं पहुंच पा रहा है?
इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने विश्व खाद्य दिवस के मौके पर नवाचार को बढ़ावा देने और खाद्य व्यवस्था को मजबूत बनाने का संदेश दिया है।

विश्व खाद्य दिवस का संदेश है, ‘आज नवाचार करें, कल को समृद्ध बनाएं।’ इसका उद्देश्य ऐसी व्यवस्थाओं को बढ़ावा देना है, जो आज लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को भी सुरक्षित रखें।

एफएओ के मुताबिक, दुनिया में लगभग 64 करोड़ लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जबकि 2.69 अरब लोग पौष्टिक आहार खरीदने में असमर्थ हैं। संघर्ष, आर्थिक अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के कारण यह चुनौती और गंभीर हो रही है। ऐसे में केवल अधिक भोजन पैदा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे सही तरीके से लोगों तक पहुंचाना भी जरूरी है। खाद्य व्यवस्था को

कमर दर्द से हैं परेशान? रोज करें कटिचक्रासन, मिलेगा जबरदस्त फायदा

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। दफ्तर में घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, गलत खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की कमी कमर और पेट समेत कई तरह की शारीरिक समस्याओं का घर बन जाती हैं। ऐसे में कटिचक्रासन एक सरल और प्रभावशाली आसन है। यह न केवल रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है बल्कि पाचन तंत्र को मजबूत करने और मन को शांत करने में भी मदद करता है।

संस्कृत में ‘कटि’ का अर्थ है कमर और ‘चक्र’ का अर्थ है पहिया या घुमाव, यानी कमर को घुमाने वाला आसन। यह आसन दिखने में जितना आसान है, इसके फायदे उतने ही प्रभावशाली होते हैं।

कटिचक्रासन सांस लेने की समस्याओं से लेकर पाचन संबंधी परेशानियों तक को दूर करने में बेहद कारगर माना जाता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, कटिचक्रासन एक आसान लेकिन प्रभावी आसन है। नियमित अभ्यास से कमर के आसपास मांसपेशियां मजबूत होने के साथ उनमें लचीलापन भी बढ़ता है और शरीर की गतिशीलता बनी रहती है।

भारत सरकार के आयुष

परिवृत बद्ध पार्श्वकोणासन क्या है? जानिए फायदे और सावधानियां

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारतीय योग परंपरा में शारीरिक लचीलापन, मानसिक एकाग्रता को एक साथ साधने वाले आसनों में ‘परिवृत बद्ध पार्श्वकोणासन’ का विशेष स्थान है। यह आसन मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी के ट्विस्ट और हाथों की बंध स्थिति का एक अनूठा संगम है। यह आसन पार्श्वकोणासन का ही एक अधिक चुनौतीपूर्ण और लाभकारी रूप है।

संस्कृत में ‘परिवृत’ का अर्थ है घूमा हुआ, ‘बद्ध’ का अर्थ है बंधा हुआ और ‘पार्श्वकोण’ का अर्थ है बगल का कोण। इस आसन में शरीर को एक तरफ घुमाते हुए गहरा बंध लगाया जाता है, जो शरीर को एक नया आकार और ऊर्जा देता है। यह न सिर्फ शरीर के निचले हिस्से (पैरों और जांघों) को मजबूती प्रदान करता है, बल्कि पाचन तंत्र की गहरी मालिश कर शरीर को अंदर से डिटॉक्सिफाई (विषमुक्त) करने में भी सहायक होता है।

शारीरिक लाभ: रीढ़ की लचीलेपन को बढ़ाए रखने का भी कार्य करता है। नियमित अभ्यास से कमर के आसपास मांसपेशियां मजबूत होने के साथ उनमें लचीलापन भी बढ़ता है और शरीर की गतिशीलता बनी रहती है।

मंत्रालय के अनुसार, कटिचक्रासन एक अत्यंत प्रभावी और सरल योगासन है। इस योगासन को कमर घुमाकर किया जाता है। यह रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन को बनाए रखने का भी कार्य करता है। नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी के लचीले होने के साथ कमर, पीठ और कूल्हों की मांसपेशियों की स्ट्रेचिंग अच्छे तरह से होती है। साथ ही, पेट की मांसपेशियां भी सक्रिय होती हैं, जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है। अभ्यास से कमर दर्द, कंधों की अकड़न और थकान दूर होती है। शारीरिक और मानसिक तनाव को कम कर मन को तरोताजा करता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, कटिचक्रासन शरीर में प्राण शक्ति के प्रवाह को बेहतर बनाता है। इससे

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रॉली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, डेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:

वीनस मशीनरी

विश्वकत बरत (अप्रेररर)

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST ITR

फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

- CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफाइ

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: **शेखर गुप्ता** RIFCO Tax Consultants

C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं **9300755544, 8878655544**

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.

83700 09993

:H.O.:
• Madarsa Road
Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994

:OUTLETS :
• Marine Drive,
Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

❖ Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) ❖ 911677722

❖ Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Garivaband (C.G.) ❖ 7509007388

✉ drprajwalsoni@gmail.com

दिल्ली को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए दिशा- निर्देश

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को त्योहारों के मौसम में शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और व्यवस्थित रखने के लिए गंभीरता और तत्परता से काम करने का निर्देश दिया है।

दिल्ली सचिवालय में हुई बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि त्योहारों के दौरान राजधानी के किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा-करकट, कचरे का ढेर, अव्यवस्था या अपर्याप्त रोशनी नहीं होनी चाहिए।

अधिकारी ने एक बयान में कहा कि उन्होंने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के प्रमुखों को स्वयं जमीनी निरीक्षण करने, कमियों को तुरंत दूर करने और दिवाली से पहले स्वच्छता और रोशनी के काम को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने दैनिक सफाई अभियान चलाने और सड़कों पर धूल को समस्या से निपटने के उपाय करने का भी आह्वान किया ताकि निवासी त्योहारों के मौसम में



स्वच्छ और सुंदर वातावरण का आनंद ले सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहार खुशी, उत्साह और आपसी सद्भाव का प्रतीक हैं। इस दौरान दिल्ली का हर हिस्सा स्वच्छ, सुव्यवस्थित और रोशनी से भरपूर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि लोगों को उनके घरों, बाजारों से लेकर सड़कों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों तक हर जगह स्वच्छता और बेहतर सुविधाएं मिलें। सभी विभागों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करना चाहिए और किसी भी कमी को तुरंत दूर करना चाहिए। त्योहारों के मौसम में दिल्लीवासियों को कूड़े, अंधेरे या अव्यवस्था का सामना नहीं करना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों और विद्यालयों को दिवाली से पहले विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का निर्देश दिया।

बयान में कहा गया है कि उन्होंने पार्कों और सार्वजनिक शौचालयों की स्वच्छता बनाए रखने और उनकी उचित देखरेख

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे की महिला खिलाड़ियों को एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने पर दी बधाई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित रेल भवन में भारतीय महिला कबड्डी टीम से मुलाकात की। इस टीम ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित 2026 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता है। इस मुलाकात के दौरान भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान पुष्पा राणा और टीम की कोच नीता मोरेश्वर दाडवे मौजूद रहीं।

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने 26 सितंबर 2026 को हुए एक कड़े मुकाबले वाले फाइनल में ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड अपने नाम करते हुए सफलतापूर्वक एशियन



गेम्स का खिताब बरकरार रखा।

आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स में महिला कबड्डी टूर्नामेंट में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया था। भारत को ग्रुप ए में बांग्लादेश, मेजबान जापान और ईरान के साथ रखा गया, जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, थाईलैंड, चीनी ताइपे और नेपाल शामिल थे।

रेलवे की महिला खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देते हुए खिलाड़ियों की लगन, दृढ़ संकल्प और खेल कौशल की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि इन खिलाड़ियों ने तिरंगे का मान बढ़ाते हुए देश को गौरवान्वित किया है।

महिला मुद्दों पर अपनी बात रख सकेंगे युवा, एनसीडब्ल्यू शुरू करेगा राष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) युवाओं को महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय रखने और समाधान सुझाने का मंच देने जा रहा है। इसके तहत आयोग देशभर में 'माँक राष्ट्रीय महिला आयोग सलाहकार समिति' कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिसकी शुरुआत 30 और 31 अक्टूबर को देहरादून स्थित ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय से होगी।

इस कार्यक्रम में 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकेंगे। पहले सत्र का विषय 'मनोरंजन के डिजिटल मंचों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व' रखा गया है। इसके तहत युवा फिल्मों, वेब



सीरीज और अन्य डिजिटल कंटेंट में महिलाओं की छवि, सम्मान और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर युवाओं की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। इस पहल के माध्यम से युवाओं को अपनी बात रखने और महिला सशक्तीकरण से जुड़े प्रयासों में योगदान देने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि आयोग चाहता है कि युवा महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर आगे आएँ तथा बेहतर समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम की खास बात यह है कि चयनित प्रतिभागियों को एक वर्ष के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की युवा सलाहकार समिति का सदस्य बनने का अवसर मिलेगा। समिति के सदस्य महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों और सशक्तीकरण से जुड़े विषयों पर आयोग को सुझाव दे सकेंगे।

खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर फ्लिपकार्ट और बिगबास्केट को नोटिस

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। खाद्य नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने शुक्रवार को बताया कि उसने खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में एक 'रेडिसन ब्लू होटल' के संचालक और ई-कॉमर्स कंपनियों 'फ्लिपकार्ट' तथा 'बिगबास्केट' को नोटिस जारी किए हैं।

नई दिल्ली में रेडिसन ब्लू होटल चलाने वाली एबी होटल्स को दिए नोटिस में एफएसएसआई ने कहा कि परिसर और उपकरणों का रखरखाव खराब पाया गया। इसमें जंग लगी मशीनरी, फ्रीजर से रिसाव और रेफ्रिजरेशन, तापमान की निगरानी, नियंत्रण में कमियां पाई गईं।

?वेंटिलेशन, फर्श और लाइटिंग में कमियां शामिल थीं।



इसमें अपर्याप्त सफाई और स्वच्छता, जिसमें फफूंद से प्रभावित और खराब हो चुके फल और सब्जियां प्राप्त होना, अपशिष्ट संबंधी समस्याएं, साथ ही तिलचट्टे और मक्खियों की मौजूदगी सहित कीट ट्रैसबिलिटी में कमियां शामिल हैं।

एफएसएसआई ने यह भी बताया कि नियामक ने कहा कि खाद्य पदार्थों की खाना पकाने वाले तेल की उपयुक्तता की खरीद और प्राप्ति की जांच अपर्याप्त पाई गई, जांच नियमानुसार नहीं की गई थी और